हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

18 सितम्बर, 2006

खण्ड 3, अंक 1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 18 सितम्बर, 2006

पृष्ठ संख्या

शोक प्रस्ताव	(1) 1
अति विशिष्ट व्यक्ति का सम्मान	(1) 27
बैठक का स्थगन	(1) 27

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 18 सितम्बर, 2006

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर– 11 चण्डीगढ मे 4.00 बजे हुई। अध्यक्ष (डा० रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I welcome all of you, Now Hon'ble ChiefMinister will make obituary references.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा): अध्यक्ष महोदय, हमारे कई साथी जो पिछले सदन मे हमारे साथ थे पिछले सत्र तथा इस सत्र के दौरान बहुत सारे हमारे साथी इस संसार के बीच से हमें छोड कर चले गए है उनमे प्रमुख हैं चौधरी बंसी लाल, सूरज मान, स्वामी इन्द्रवेश आदि। ये सभी लोग इस विधान सभा और पार्लियामेंट के सदस्य रहे। इनके अतिरिक्त हमारे कई महान् स्वतंत्रता सेनानी और कई शहीदो ने अपने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण दिये इनके लिए मैं इस महान् सदन मे शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूँ। सबसे पहले में चौधरी बसी लाल जी को अपनीं श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहता हू।

श्री बंसी लाल, हरियाणा के भूतपूर्व मुख्य मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मुख्य मंत्री श्री बंसी लाल के 28 मार्च, 2006 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

आधुनिक हरियाणा के निर्माता श्री बंसी लाल का जन्म 26 अगस्त, 1927 को हुआ। ग्रामीण परिवेश में पले–बडे होने के वजह से उन्होने ग्रामीणो की समस्याओ को नजदीक से देखा और अनुभव किया था। इनके कल्याण–उत्थान की तड़प उन्हे राजनीति मे ले आयी।

श्री बंसी लाल ने अपना लम्बा व यशस्वी विधायी जीवन वर्ष 1967 में शुरू किया, जब वे पहली बार हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। वे 1968, 1972, 1936, 1991, 1996 तथा 2000 मे भी हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। उन्होने 1966 से 1972, 1972 से 1975 1986 से 1987 तथा 1996 से 1999 के दौरान हरियाणा के मुख्य मंत्री पद को सुशोभित किया। मुख्य मंत्री का दायित्व सम्भालते ही है इस पिछडे प्रदेश का कायाकल्प करने के सकंल्प के साथ इसके नव–निर्माण मे जुट गये। तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गाधी जी के आशीर्वाद एवं अपनी प्रशासकीय दक्षता के बल पर उन्होने हरियाणा को प्रगति का प्रतीक बना दिया। उनके 11 वर्ष से अधिक के मुख्यमंत्रित्व काल मे प्रदेश के चहुमुखी विकास की बदौलत ही उन्हे आधुनिक हरियाणा के निर्माता की संज्ञा दी जाती है। उनके मुख्य मंत्री काल मे ही

हरियाणा सभी गांवो को पक्की सड़को से जोडने तथा बिजली पहुंचाने वाला देश का पहला राज्य बना। रेतीले एवं ऊंचे–नीचे

इलाको में सिचांई सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए उठान सिंचाई जैसी अनुठी परियोजनाएं शुरू की गई। राज्य मे श्वेत एवं हरित क्रांति का सूत्रपात हुआ तथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यटन के क्षेत्रो मे उल्लेखनीय प्रगति हुई।

वे 1960 एव 1976 मे राज्य सभा के लिए दो बार तथा 198०, 1985 एवं 1989 में लोक सभा के लिए तीन बार चुने गये। उन्हे रक्षा, रेलवे एवं परिवहन सरीखे महत्वपूर्ण विभाग सम्भालने का गौरव भी प्राप्त हुआ। उन्होने जिस भी सार्वजनिक पद पर सेवा की, वहां उन्होंने अपने दूरदर्शिता, कुशल नेतृत्व और प्रशासकीय दक्षता की अमिट छाप छोडी। उनका सात बार हरियाणा विधान सभा, तीन बार लोक सभा तथा दो बार राज्य सभा के लिए निर्वाचित होना जन–मानस में इस 'विकास पुरुष' की लोकप्रियता साबित करता है।

श्री बसी लाल एक सच्चे कर्मयोगी थे। स्वाभिमान, सादगी, कठोर अनुशासन और स्पष्टवादिता के धनी श्री बसी लाल अपने पांच दशक के राजनीतिक जीवन मे बुलदियो तक पहुंच कर भी न कभी अपनी मिट्टी से दूर हुए और न कभी पद की लालसा उन्हे छू पायी। वे साफ छवि और उच्च नैतिक मूल्यो के धनी थे। अध्यक्ष महोदय, व्यक्तिगत तोर पर हमारी दो पीढियो ने उनके साथ

काम किया है। मेरे पिता जी पार्लियामैंट मे उनके साथी रहे हें। ओर जब मैं यहां विधान सभा मे अपोजिशन मे था तो वे इस सदन के नेता थे। चौधरी बंसी लाल जी के पुत्र स्वर्गीय सुरेन्द्र सिंह जी भी इस सदन मे हमारे साथ और आज उनके पुत्र श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा, उनकी पुत्र वधू किरण चौधरी और उनके दामाद श्री सोमवीर सिह जी इस सदन के सदस्य हैं। श्री बसी लाल की प्रगतिशील विचारधारा, उनका महान चिंतन और उनकी दूरदर्शी नीतियां हमारा सदा मार्गदर्शन करती रहेगी।

उनके निधन से देश, विशेषकर हरियाणा अपने ‘विकास पुरुष’, एक अनुभवी सांसद एव एक उच्चकोटि के प्रशासक की सेवाओं रो वंचित हो गया है। यह सदन दिवगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री सूरज भान, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री

अध्यक्ष महोदय, श्री सूरज भान जी जो हमारी विधान सभा के सदस्य रहे थे और जब वे लोक सभा के उपाध्यक्ष थे तो मैं भी वहां पर सदस्य था। वे बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे।

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सूरज मान के 6 अगस्त, 2006 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म पहली अक्तूबर, 1920 को हुआ। वे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होने अपने राजनीतिक जीवन मे

विभिन्न पदों पर रहते हुए राष्ट्र की महती सेवा की। वे 1967, 1 977 तथा 1980 में लोक सभा के लिए चुने गये। वे कई संसदीय समितियो के सदस्य तथा अध्यक्ष रहे। वे 1987 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये और मंत्री रहे। वे 1996 में पुनः लोक सभा के लिए चुने गये तथा केन्द्रीय कृषि मंत्री बने। उन्होंने लोक सभा के उपाध्यक्ष पद को भी सुशोभित किया। वे 1998 – 2003 के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल रहे। वे 2004 मे अनुसूचित जाति एव जनजाति राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष बने तथा अपने निधन के समय तक इस पद पर बने रहे। वे जातिप्रथा के विरुद्ध लगातार सघर्षरत रहे। वे अनुसूचित जातियो एव जनजातियों के कल्याण कै प्रति सदा समर्पित रहे।

उनके निधन से देश एक विशिष्ट सांसद तथा योग्य प्राशासक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

स्वामी इन्द्रवेश, भूतपूर्व संसद सदस्य

यह सदन भूतपूर्व संसद सदस्य स्वामी इन्द्रवेश के 12 जून, 2006 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 11 मार्च, 1937 को हुआ। वे एक महान् समाज सुधारक तथा आर्य समाज के सिद्धान्तो के व्याख्याता थे। वे किसानो के सच्चे हितैषी थे। वे जीवन पर्यन्त सामाजिक बुराईयों

के खिलाफ लडे। उन्होंने शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा पर बल दिया। वे गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलपति भी रहे। वे 1930 मे लोक सभा के लिये चुने गये।

उनके निधन से देश एक सच्चे समाज सुधारक एवं सांसद की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हे।

श्री जय सिंह राठी, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री जय सिंह राठी के 3 जून, 2006 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 7 जुलाई, 1929 को हुआ। वे 1968 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। उनकी खेलो मे विशेष रुचि थी।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओ से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हे।

बहन शांति देवी, हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या

यह सदन हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या बहन शांति देवी के 13 सितम्बर, 2006 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 4 मई, 1918 को हुआ। वे 1982 मे हरियाणा विधान सभा के लिए चुनी गई। वे एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थीं।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायिका की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री शीश राम, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री शीश राम के 8 जुलाई, 2006 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 2 फरवरी, 1925 को हुआ। वे 1957 में सयुक्त पंजाब विधान सभा के लिए चुने गये। उन्होने गरीबों व दलितो के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवगत के शोक– संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

उस्ताद बिस्मिल्ला खान, सुप्रसिद्ध शहनाई वादक

यह सदन सुप्रसिद्ध शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खान के 21 अगस्त, 2006 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 21 मार्च, 1916 को हुआ। उन्होने अपने चाचा जी जो वाराणसी के 'विश्वनाथ मंदिर' मे शहनाई वादक थे, से संगीत की शिक्षा ग्रहण की। उन्होने शहनाई को हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में अहम स्थान दिलवाया। 15 अगस्त, 194 को जब भारत आजाद हुआ तो उन्हे ऐतिहासिक लाल किले से अपनी कला का प्रदर्शन करने का गौरव भी प्राप्त हुआ। अपने लम्बे एवं यशस्वी जीवन के दौरान शहनाई सम्राट ने शहनाई वादन से विश्वभर में अपने श्रोताओ को मंत्रमुग्ध किया।

संगीत के प्रति उनकी लम्बी एव गहरी निष्ठा के फलस्वरूप उन्हें अनेक सम्मान प्राप्त हुए, जिनमे संगीत नाटक अकादमी अवार्ड, तानसेन अवार्ड तथा प्रतिष्ठित पद्म विभूषण शामिल हैं। उन्हें वर्ष 2001 मे भरत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ''भारत रत्न'' से अलकृत किया गया। वे हमारी साझी संस्कृति की प्रतिमूर्ति थे। उनके निधन से संगीत जगत में जो शून्य पैदा हुआ है, उसकी भरपाई नही है। सकती।

उनके निधन से देश न केवल एक महान् संगीतज्ञ बल्कि एक महान् व्यक्तित्व से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के

शोक–सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले कहा कि स्वतंत्रता सेनानी जिन्होने देश को आजाद कराने के लिए लडाई लडी, एक एक करके हमारे को छोडकर जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह सदन उन श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियो के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है, जिन्होने हमारे देश की आजादी के संघर्ष में अपनी बहुमूल्य योगदान दिया।

इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं.

1 श्री रिसाल सिंह, गांव जैजैवंती, जिला जींद।

2. श्री महताब सिह, गांव काडौली, जिला भिवानी।

3. श्री सुलतान सिह, गांव बाछौद, जिला महेन्द्रगढ।

4. श्री बालाराम गाट, गांव सुदेसर, जिला सिरसा।

5. श्री रामजीलाल, गाय खरकडी, जिला भिवानी।

6. श्री मोहन सिंह, रतिया, जिला फतेहाबाद

7. श्री प्रीतम सिंह, गांव गिरधारपुरा, जिला कुरुक्षेत्र।

8 भी प्रभु सिंह, गाव राजली, हिसार

9. श्री चिरजी लाल, गाय बावडौली, जिला रेवाडी।

10. श्री संत सिंह, सफीदो, जिला जींद।

11 श्री निहाल सिंह, गांव काकडोद, जिला जींद।

12. श्री घीसाराम, गाव तलवडी राणा, जिला हिसार।

13. श्री जुगलाल, गांव घसौला, जिला भिवानी।

14. श्री दयाल सिंह, गाव बिचली धमौली, जिला अम्बाला।

15. श्री भगवान सिंह, गाय अटेला कला, जिला भिवानी।

16. श्री घमडीलाल गुप्ता, गाव मुरथल, जिला सोनीपत।

17. श्री पेडा राम, गाव बप्पा, जिला सिरसा।

18. श्री राव गणपत सिंह, गाय गोरियावास, जिला गुडगाव।

19. श्री रणबीर सिह, गांव रतनथल, जिला रेवाडी।

20. श्री प्यारेलाल मेहता, रोहतक।

21 श्री जुगलान, गांव मिरान, जिला भिवानी।

22. श्री पेमा राम, गाव साजरवास, जिला भिवानी।

23. श्री रामजी लाल, गाव मेरा। जिला भिवानी।

24. श्री रामस्वरूप, गाव लुहाना, जिला रेवाडी।

25. श्री मातादीन सेनी, रेवाडी।

26. श्री रिसाल सिह, गाव जटौला, जिला सोनीपत।

27 श्री राजसिह, गाव बराही, जिला झज्जर।

28 श्री मेहरचन्द, गाय सदलपुर, जिला हिसार।

29 श्री धर्मसिंह, गाव घसौला, जिला भिवानी।

30 श्री नत्थू राम, गांव भम्भेवा, जिला झज्जर।

31 श्री कद्र सिह, गांव बोहर, जिला रोहतक।

यह सदन इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियो को शत–शत नमन करता है और इनके शोक– सतंप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के शहीद

यह सदन उन वीर सैनिको को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होने हमारी मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च

इन महान् वीर सैनिको नाम इस प्रकार है:

1 सुबेदार रणधीर सिह, गाव लुदाना, जिला जीद।

2 नायब सुबेदार भागीरथ, गाव शाहपुरिया, जिला सिरसा।

3 नायब सुबेदार राम प्रमोद सिह, अम्बाला।

4 सहायक उपनिरीक्षक कंवर पाल, गांव गंगेसर, जिला सोनीपत।

5 सहायक उपनिरीक्षक कृष्णपाल, गांव गागोली, जिला जींद।

6 नायक पवन कुमार, गाव रामपुरा, जिला भिवानी।

7 नायक पवन, गाव ठसका, जिला सोनीपत।

6 हवलदार रामफल, गांव कादमा। जिला भिवानी।

9. हवलदार ताराचद, गाव तुम्बाहेडी, जिला झज्जर।

10 हवलदार बलजीत सिंह,गाव सावडू, जिला भिवानी।

11 हवलदार नरेश कुमार, गाव छलौदी, जिला कुरुक्षेत्र।

12 हवलदार दलीप सिंह, गांव गुलावला, जिला महेन्द्रगढ।

13 हवलदार जगदीश चहल, गांव रूखी, जिला सोनीपत।

14. हवलदार बार सिह, गाव बुआना, जिला जींद।

15. हवलदार रणबीर सिह, गाव कासनी, जिला झज्जर।

16 हवलदार मीर सिंह, गाव झाबुआ, जिला रेवाड़ी।

17 सिपाही होशियार सिह, गाव लाडवा, जिला हिसार।

18 सिपाही श्रीभगवान, गाव सासरौली, जिला झज्जर।

19 सिपाही रोहताश, गाव जाडवाला बागड, जिला फतेहाबाद।

20 सिपाही संजीव कुमार, गांव गढ़ी छाजू, जिला पानीपत।

21 सिपाही जोगेन्द्र सिह, गाव बिगोवा, जिला भिवानी।

22 सिपाही हवा सिह, गाव बरत्तली, जिला करनाल।

23 सिपाही सतपाल यादव, गाव जहाजगढ, जिला झज्जर।

24. सिपाही कंपूरचन्द, गाव नया गाव (डाबडी)। जिला रेवाड़ी।

25. सिपाही अशोक देशवाल, गांव गांगौली, जिला जींद।

26. सिपाही सुरजन सिंह, गाव मीरपुर जिला रेवाडी।

27 ग्रिपाहा मुरेना सिह, गाव रमण, जिला भिवानी।

28. सिपाही कृष्ण, गाव तुम्बाहेडी, जिला झज्जर।

29. सिपाही राम अवतार यादव, गाव खटोटी कला, जिला महेन्द्रगढ।

30. सिपाही अशोक कुमार, गांव गतौली, जिला जींद।

31 सिपाही जोगेन्द्र, गांव चिमनी, जिला झज्जर।

32. सिपाही रामफूल, गाव गुडाना, जिला महेन्द्रगढ।

33 सिपाही रामपाल, गांव छतैहरा, जिला सोनीपत।

34. सिपाही रणधीर सिह, गाव बडौदा, जिला जींद।

35 सिपाही भूपसिंह, गाव पृथ्वीपुरा, जिला महेन्द्रगढ।

36. सिपाही जिले सिह, गाव ढाणी कुतुबपुर, जिला हिसार।

37. सिपाही कर्मवीर, गांव गगाटेहडी, जिला करनाल।

38. सिपाही कुलबीर सिह, गाव जालखेड़ी, जिला कुरुक्षेत्र।

39. सिपाही पवन कुमार, गाव वजीदपुर, जिला कुरुक्षेत्र।

40. सिपाही कुलवत सिंह, गाव तदवाल, जिला अम्बाला।

41. सिपाही मुकेश, गाव गढ़ी सराए नामदार खा, जिला सोनीपत।

42 सिपाही सुलतान सिह, गाव कलेहडी, जिला करनाल।

43. सिपाही योगेन्द्र सिह, गाव रेवाड़ी खेडा, जिला झज्जर।

44. सिपाही छत्रपाल, गाव ढाणी माहू, जिला भिवानी।

45 सिपाही प्रदीप कुमार, गांव दोहली, जिला यमुनानगर।

46. सिपाही अंग्रेज सिंह, गाव श्रीफगढ, जिला कुरुक्षेत्र।

47 सिपाही नीलम सिह, गांव टयौठा, जिला कैथल।

यह सदन इन महान् वीरो की शहादत पर इन्हे शत–शत नमन करता है और इनके शोक– संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

बस हादसे

यह सदन 26 जुलाई, 2006 तथा पहली अगस्त, 2006 को हरियाणा सशस्त्र पुलिस कर्मियो एवं जिला सोनीपत के गाव बली कुतुबपुर के मासुम बच्चो के दो अलग–अलग बस हादसो मे हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हे।

यह सदन दिवंगतो के शोक–सतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

मुम्बई तथा मालेगांव में बम विस्फोट

यह सदन 11 जुलाई, 2006 तथा 8 सितम्बर, 2006 को महाराष्ट्र के मुम्बई की उपनगरीय ट्रेनो तथा मालेगाव मे क्रमिक बम धमाको मे मारे गये निर्दोष लोगो के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। यह एक शर्मनाक एवं घोर अपराध तथा मानवता पर हमला था।

यह सदन आतंकवादियो के इन जघन्य कृत्यों की कडी निंदा करता है और शोक–संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

मेरठ आग दुर्घटना

यह सदन 10 अप्रैल, 2006 को उत्तर प्रदेश के मेरठ स्थित विक्टोरिया पार्क मे भीषण आग दुर्घटना मे मारे गये मासूमो के दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक– संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता हे।

जम्मू– कश्मीर में आतंकवादी हमला

यह सदन 30 अप्रैल, 2006 तथा पहली मई, 2006 को जम्मू– कश्मीर के डोडा एवं उधमपुर जिलो मे दो अलग–अलग आतंकवादी हमलो मे मारे गये निर्दोष लोगो के दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन इन आतंकवादी हमलो की कड़ी निदा करता है और शोक–संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

यमुना नौका दुर्घटना

यह सदन 6 अगस्त, 2006 को जिला फरीदाबाद के गाव छायसा के निकट यमुना नदी मे हुई नोका दुर्घटना मे मारे गये लोगो के दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवगतो के शोक–सतप्त परिवारो के सदस्या के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

अन्य

यह सदन हरियाणा के वित्त मंत्री श्री बीरेन्द्र सिंह के चचरे भाई श्री कर्ण सिह। हरियाणा के राजस्व मंत्री कैप्टन अजय सिह यादव के चचेरे भाई श्री अनूप सिंह, हरियाणा विधान सभा के सदस्य डा शिव शकर भारद्वाज के माजे श्री सचिन तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री राजेन्द्र सिह जून की चाची श्रीमती खजानी देवी के दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता

यह सदन दिवगतों के शोक–संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, दादरी–झज्जर रोड पर खातीवास गाव के पास गत दिनो जिन 17 व्यक्तियो की मौत हुई उन के निधन पर यह सदन गहरा शोक प्रकट करता है और उन शोक संतप्त परिवारो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष जी, जैसा कि मैंने पहले शोक प्रस्ताव मे भी कहा चौधरी–बसी लाल जी बहुत समय तक हमारे प्रदेश के मुख्यमत्री रहे और मेरा सभी सदस्यो से निवेदन है कि आज वे शोक प्रस्ताव को तो पास करेगे ही, शोक प्रस्ताव को पास करने के बाद मेरी आपसे दरखास्त है कि आज आब्यूचरी के बाद उनके सम्मान मे आज का हाउस पूरे दिन के लिए एडजर्न कर दिया जाए क्योंकि उन्होने देश की बहुत सेवा की है। आज का बिजनैस है वह कल के लिए रख लिया जाए और जो कल का बिजैनस है वह परसों के लिए रख लिया जाए। मुझे पूरा विश्वास है कि मेरी इस बात से हाउस के सभी सदस्य सहमत होगे।

डा. सुशील इन्दौरा (ऐलनाबाद, एस. सी.): अध्यक्ष जी, माननीय मुख्यमत्री जी जो शोक प्रस्ताव सदन मे लाए हैं मै भी उसमे अपनी तरफ से, अपनी पार्टी के नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की तरफ से और अपनी पार्टी के सभी सदस्यो की तरफ सम्मलित होता हूं। चौधरी बंसीलाल जी आज इस दुनिया में

नहीं रहे और बडे लम्बे समय तक उन्होने हरियाणा प्रदेश और इस देश के प्रतिनिधि के तौर पर सेवा की। उनके बारे मे बहुत सी बातें विख्यात रही है। वे एक सुदृढ़ लौहपुरुष के रूप मे जाने जाते थे। हरियाणा प्रदेश का विकास कराने मे जो उनकी अहम् भूमिका रही है उसके लिए वे हमेशा याद किए जायेगे। सदन के नेता के रूप मे और सदन के बाहर और घर मे वे बाऊ जी के नाम से मशहूर थे। उनको बाऊ जी के रूप मे विशेषकर भिवानी जिले के लोग जानते थे और वे उनसे इतना प्रेम करते थे। लोग उनसे सीधे रूप से जुडे हुए थे। आज भी अगर भिवानी की सडको पर चल कर जाते है तो कहीं न कहीं और किसी न किसी रुप मे चौधरी बंसीलाल जी छवि के रूप मे वे स्वय खड़े दिखाई देगे। कल्पना के रूप मे या परिकल्पना के रूप में वे हमें उन सडकों पर जरूर दिखाई देगे। चौधरी बंसीलाल जिन्होने हरियाणा प्रदेश के लोगो के लिए बहुत काम किया वे विधान समा के सदस्य भी रहे और लोक सभा तथा राज्य सभा के सदस्य भी रहे। मुझे भी कभी कभार उनसे मिलने का मौका मिला क्योकि मै भी राजनीतिक तौर पर बहुत पीछे रहा था। मुझे भी समय–समय पर उनसे आशीर्वाद लेने दमा मौका मिलता रहा। मुझे एक बार का वाक्या याद है जब वे हरियाणा प्रदेश के मुख्यमत्री थे और मै लोकसभा का सदस्य था तो अचानक वे मुझे कोरीडोर मे मिल गए तो मैने उनरने कहा कि मै आपके पडोस के गाव का हू तो उन्होने मुझ से पूछा कि आपका नाम क्या है, मैंने कहा मेरा नाम डा० सुशील इन्दोरा है तो उन्होने कहा कि हा, तुम्हारा नाम तो बहुत सुना है और उन्होने

मुझे गले से लगाकर आशीर्वाद दिया और कहा बेटा, सदा जिंदगी मे फलता फूलता रहे। हो सकता है कि उन्हीं के आशीर्वाद से मै आज यहा इस मुकाम पर खडे होकर उनको श्रद्धाजंलि दे रहा हूं। ऐसे युगपुरुष और कर्म योद्धा को युगो युगों तक हमारा प्रदेश और देश याद रखेगा। मै अपनी तरफ से, अपनी पार्टी की तरफ से और अपने नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की तरफ से उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हू और संतप्त परिवार के लोगो के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। ऐसे कर्मठ नेता को जो देश और प्रदेश के विवाद सुलझाया करते थे, कौन याद नहीं करेगा।

हमारे दलितो के मसीहा, दलितों के नेता श्री सूरजभान जी, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री आज इस दुनिया मे नहीं रहे और आज हम सब उनको श्रद्धाजलि दे रहे हैं। उन्होने प्रदेश मे विभिन्न पदो पर रहते हुए और देश के भी ऊचे पदो पर रहते हुए गरीबो की दलितो की तरफदारी करते हुए, उनके सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए हमेशा प्रयास किया। उनके निधन से दलित समाज के लोगो को गहरा आघात लगा है। उनके निधन पर मै अपनी तरफ से, अपनी पार्टी की तरफ रमे और अपने नेता की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हू।

स्वामी इन्द्रवेश भूतपूर्व ससद सदस्य एक धार्मिक और सामाजिक नेता थे, वे समाज को नई दिशा देने वाले नेता थे, धर्म की बुलन्दियो को ऊपर उठाने वाले नेता थे वे पूर्व मे सांसद रहे।

इन्द्रवेश के निधन पर मैं अपनी तरफ से, अपनी पार्टी की तरफ से और अपने नेता की तरफ रवे गहरा शोक व्यक्त करता हूं।

श्री जय सिंह राठी हरियाणा विधान सभा के पूर्व सदस्य और सामाजिक नेता के निधन पर भी हम गहरा शोक प्रकट करते हैं।

बहन शांति देवी जो इस हरियाणा विधान सभा मे बहादुरी से महिलाओ की आवाज को बुलद करती थी, उनके निधन पर भी हम गहरा शोक प्रकट करते है।

पंजाब के विधान सभा के सदस्य शीश राम एक अग्रणी नेता थे, उनके निधन पर हम गहरा शोक प्रकट करते हैं। वे इस देश की एक महान हस्ती थे जिन्होने आजादी से पहले और आजादी के बाद भारतवर्ष का नाम हमेशा ऊंचा रखा। सुप्रसिद्ध शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खान के निधन पर हम गहरा शोक प्रकट करते हैं। इस शोक प्रस्ताव मे जितने हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानियो और शहीदों के नाम दिए गए है उनके निधन पर हम गहरा शोक प्रकट करते है। बस दुर्घटना मे मारे गए बच्चो, मुम्बई के मालेगाव मे मारे गए लोगो, मेरठ की आग मे मारे गए लोगो, कश्मीर मे आतकवादी हमले मे मारे गए लोगो, यमुना नौका की दुर्घटना मे मारे गए लोगो, वित्त मंत्री के चचेरे भाई श्री कर्ण सिंह, कैप्टन अजय सिह यादव के चचेरे भाई श्री अनूप सिंह, हरियाणा विधान सभा के सदस्य डा० शिव शकर भारद्वाज के माजे

श्री सचिन, श्री राजेन्द्र सिह जून की चाची श्रीमती खजानी देवी के निधन पर हम गहरा शोक प्रकट करते है और मै एक बात और कहना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमत्री के हल्के के अबोहर गाव मे 6 मासूम बच्चे जो जिदा जल कर मर गए थे और माननीय मुख्यमत्री जी भी वहां गए थे, उनके निधन पर भी हम गहरा शोक प्रकट करते है। क्योकि यह परम्परा रही है कि माननीय मुख्यमत्री जी जहा ऐसी दुर्घटनाए होती है वहा जाते है। शोक प्रस्ताव के माध्यम से मै कहना चाहता हू कि जो भी सड़क हादसे होते है और आग की वजह से दुर्घटनाए होती है सात्वना के तौर पर या उन लोगो के दुखो को मिटाने के लिए उनमे सम्मलित होकर किसी न किसी रूप मे उनके दुखी को बाटने की कोशिश करते है और सरकार की तरफ से उनको मुआवजा भी दिया जाता है। हमारे मुख्यमत्री जी बहुत सी जगहो पर स्वय जाते है और उनकी मदद करते हैं ताकि उनको गहरे दुख से निकलने मे मदद मिले। ऐसे मे जहां–जहा मुख्यमत्री जी या हमारे मंत्रीगण जाते है वहा अच्छी मदद करने का प्रयास किया जाता है ताकि उन लोगो का दुख कम किया जा सके। इस बारे में मै एक सुझाव देना चाहता हूं कि जहा कहीं भी हमारे प्रदेश मे इस तरह की दुर्घटनाए हों उस बारे में सरकार की तरफ से जो मदद की जाती है। उसके लिए सरकार को एक नीति बनानी चाहिए और उसी नीति के तहत सभी की मदद करनी चाहिए। चाहे कहीं नाव दुर्घटना की बात हो, चाहे सडक हादसे की बात हो और चाहे आगजनी की बात हो। इस बारे मे सरकार को प्रभावित लोगो की मदद करने के लिए नीति

बनानी चाहिए ताकि किसी के साथ किसी तरह का भेदभाव न हो। अत मे मै फिर से कहना चाहूंगा कि जो क्षति हमारे प्रदेश को और देश को चौधरी बसी लाल जी के और चौधरी सूरजभान जी के निधन से हुई उसकी पूर्ति नहीं हो सकती क्योकि उन्होने प्रदेश के और देश के लिए जो कुछ किया है वह हमेशा याद रखा जायेगा। इसके साथ ही मै हमारे नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की तरफ से ओर हमारी पार्टी की तरफ से शोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति गहरी सवेदना प्रकट करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हू कि उनको यह अपार दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। धन्यवाद। शिक्षा मन्त्री (श्री फूलचंद मुलाना) माननीय अध्यक्ष जी, हरियाणा विधान सभा के लिए आज बहुत ही दुखद समय है कि सदन के नेता चौधरी भूपेन्द्र सिह हुड्डा जी ने जो शोक प्रस्ताव आज सदन मे रखा है उसमें लगभग 5– 6 पूर्व विधायक इस सदन के रहे है। आज हरियाणा विधान सभा के सभी सदस्य बहुत दुखद है क्योकि माननीय चौधरी बरनी लाल जी जिनको हरियाणा का निर्माता के नाम से जाना जाता है आज वे इस ससार मे नही रहे। अध्यक्ष जी, बरनी लाल जी के साथ मुझे भी बहुत समय तक काम करने का अवसर मिला। 1972 में सबसे पहली बार जब मुझे काग्रेस पार्टी के टिकट पर एम.एल.ए. का चुनाव लडने का अवसर मिला उस समय मुख्यमंत्री चौधरी बसी लाल जी के योगदान से ही मुझे इस सदन में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। चौधरी बसी लाल जी अपनी बात के धनी थे और निर्णय के कठोर थे। जो निर्णय वे ले लेते थे उस निर्णय को वे

बदलते नहीं थे। मैंने उनको मौके पर अधिकारियो को आदेश देते देखा है। कोई भी जनहित का काम हो उसको वे तुरत प्रभाव से करवाते थे। उसकी मिसाल है जब हरियाणा हाई वे बन रहा था उस समय हमारा पंजाब सरकार के साथ झगडा चल रहा था। उस समय हमने देखा कि किस तरह से मौके पर चीफ इजीनियर को मैप दिखाकर बसी लाल जी आदेश दे रहे थे कि फलानी तारीख को मैंने आना है और उस तारीख तक यह हाई वे बनना चाहिए चाहे चार पैसे ज्यादा खर्च हो जाये। उस समय मेन अधिकारी चीफ इजीनियर ही होता था अब तो बहुत से अधिकारी हो गये है और जो समय दिया था उसी समय मे हरियाणा हाई वे बन गया था। अध्यक्ष जी, चौधरी बंसी लाल जी अपनी बात मे स्पष्ट थे। वे जनता से कहते थे कि मैं तुम्हारा डाकिया हू। लेकिन नालायक डाकिया नहीं हूं जो नहर के किनारे बैठकर तुम्हारी चिट्ठिया फाड डाले। मै तुम्हारी डाक पर अमल करता हूं। वे कभी–कभी अपने साथियो को हसाते भी थे। एक बार वे कहने लगे कि अकालियो ने मुझे स्वर्ण मदिर मे बुला लिया, मुझाए सिरोपा और कृपाण भेट की गई और उसके बाद मुझे कहने लगे कि चौधरी साहब आपने हमारे साथ बहुत ज्यादती की, मैने पूछा भाईयो मैने आपके साथ क्या ज्यादती की तो अकालियो ने कहा कि हमने करनाल मे धरना दिया था उस समय जब आपने हमे जेली मे बंद किया तो जेल मे हमे मच्छरो ने बहुत काटा। इस पर मैने आकालिया को कहा कि भाई मै भी अकाली हू तो उन्होने कहा कि चौधरी साहब आप अकाली कैरने हो तो मैंने कहा कि पजाब का अपना झगडा था

आप मे अकल नहीं थी जो आप हरियाणा के करनाल शहर मे आकर धरना दे रहे थे। तुम अकाली हो और तुम मे अकल नहीं है इसलिए तुमने ऐसा किया और अकल मुझ मे भी नहीं है इसलिए मैंने तुम्हे जेलो मे बद करवाया। इसलिए मै भी अकाली हो गया ना, इस प्रकार वै हरनात भी थे। वे कई बार लोक सभा, राज्य सभा तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा उनके कुशल नेतृत्च से वंचित हो गया है। हम उनको इसी सदन मे खड़े हो कर जिसमे उन्होने हमे भिजवाया था, मैं अपनी ओर से तथा अपने परिवार की ओर से उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं और परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हू कि ऐसे पुरुष हरियाणा में बार– बार पैदा हो तांकि हरियाणा का विकास हो सके। वे हरियाणा प्रदेश मे पैदा हुए। उनको विकास पुरूष और लौह पुरूष कहा जाता था। अध्यक्ष महोदय, चौधरी सूरज मान जी के साथ मेरा बहुत ही निकट का सम्बन्ध रहा है। वे मेरे जिले से थे और 1972 मे मेरे साथ ही उन्होने अपना पहला चुनाव लडा था, उससे पहले वे एम.पी. थे। वर्ष 1972 के चुनाव मे वे मुझ से हार गए थे जब कि 1987 के चुनाव मे मै उनरने हार गया था लेकिन हमारे सम्बन्ध हमेशा ही बहुत अच्छे रहे और हम अक्सर मिलते रहते थे। जहा –कहीं पर मो गरीब आदमी की बात आती थी तो हम मिल कर सघर्ष भी करते थे और आवाज भी उठाते थे। इस सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव सदन में रखा है मैं अपने आप को उसके साथ जोड़ता हूं। इनके साथ ही श्री बीरेन्द्र सिह, फाईनैंस मिनिस्टर के सम्बन्धी, हमारे शर्मा जी के

और कैप्टन अजय यादव जी के सम्बन्धियो के नाम इस शोक प्रस्ताव मे शामिल करके अच्छा काम किया है। कैप्टन अजय सिंह के एक और चाचा ससुर श्री कंवर सिंह 12 सितम्बर को गाव गोकलगढ जिला रिवाड़ी मे 54 वर्ष की आयु मे अपना शरीर पूरा करके चले गए हैं मै निवेदन करूंगा कि उसका नाम भी शोक प्रस्ताव मे जोड़ लिया जाए। अध्यक्ष महोदय, यह संसार तो चलायमान है और जो आया है उसने जाना है। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने जो शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है मैं अपने आप को उसके साथ जोडता हूँ और अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

श्री एस.एस. सुरजेवाला (कैथल): अध्यक्ष महोदय, मैं स्वर्गीय चौधरी बंसी लाल जी तथा इस शोक प्रस्ताव मे शामिल अन्य गणमान्य व्यक्तियो के निधन पर शोक प्रकट करने के लिए तथा उनको श्रद्धाजलि पेश करने के लिए खडा हुआ हू। चौधरी बसी लाल जी तथा उनके परिवार के साथ बहुत लम्बे समय तक जुडे रहने का मौका मुझे मिला है। वर्ष 1977 मे चौधरी बसी लाल जी के स्वर्गीय पुत्र चौधरी सुरेन्द्र सिह जी हरियाणा विधान सभा के मैम्बर थे और मै भी मैम्बर था। 1977 से 1960 तक हम इकट्ठे एक फ्लैट मे रहते थे और हर हफ्ते दिल्ली जाते थे और चौधरी बंसी लाल जी के साथ घण्टो बैठकर समय बिताते थे। श्रीमती इन्दिरा गाधी से हम सब इकट्ठे मिलने के लिए जाते थे। जब चौधरी बसी लाल जी हरियाणा के मुख्य मन्त्री बन कर आए तो मुझे उनके मंत्रिमण्डल मे काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

उससे पहले वे भारत सरकार मे डिफैस मिनिस्टर, परिवहन मन्त्री और रेल मन्त्री भी थे तब भी हम उनसे बहुत मिलते थे। वर्ष 1967 मे भी वे इस विधान सभा के सदस्य थे और मै भी सदस्य था। मेरा सौभाग्य है कि दो तीन दशक तक मैं उनके साथ जुडा रहा। उनका नाम हरियाणा के विकास के लाश जुडा हुआ है और उनको विभिन्न नामो से जाना जाता है। उन्हे लौह पुरुष, विकास पुरुष तथा बहुत ही अच्छे एडमिनिस्ट्रेटर के नाम से जाना जाता है। उनमे बहुत बड़ी विशेष बात थी कि बचपन से लेकर अपने निधन तक वे काग्रेस पार्टी से जुडे रहे। काग्रेस पार्टी बदलने या काग्रेस पाटी छोडने का ख्याल कभी उनके मन मे नहीं आया। जब वे मुख्य मन्त्री थे तब उन्होने कभी भी किसी काम मे अपना नाम नही लिया। वे हमेशा कहते थे कि श्रीमती इन्दिरा गांधी ने यह रुपया मुझे आप लोगो की सेवा करने के लिए दिया है। मैं तो बीच में काम करने वाला हू और आपका नौकर हू। उनके जो आदेश होते है उनरने मैं आपकी सेवा करता हू। चौधरी बरनी लाल जी स्वर्गीय इन्दिरा जी और स्वर्गीय राजीव गाधी जी के साथ भी रहे है और उनके, उनके साथ बहुत ही घनिष्ठ सम्बन्ध थे। बसी लाल जी ने भिवानी जैसे रेतीले इलाके की शक्ल ही बदल कर रख दी थी। वे बहुत ही बढ़िया मुख्यमत्री ओर ऐडमिनिस्ट्रेटर थे। उन्होने ऊचे–ऊचे रेतीले टिबों पर लिफ्ट लगाकर पानी चढ़ाया था और उस एरिया को समतल करवा दिया था। उन्होने अपने राज मे हर गाव में वाटर सप्लाई स्कीम लगवाई थी, जिसके बारे मे हम सपने मे भी नही सोच सकते थे। एक बार जब काग्रेस की

सरकार मिड टर्म मे गिर गई थी उस वक्त इन्दिरा गाधी जी ने कहा था कि कैसे हरियाणा मार्डन हो सकता है और उन्होने उस वक्त हरियाणा के गावो को सडको रो जोडा था और हर गाव मे बिजली पहुचाई थी। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बसी लाल जी को बहुत गहरा आघात तब पहुचा जब उनके बेटे सुरेन्द्र सिह जी का निधन हुआ ओर वे उस सदमे से बाहर ही नहीं आ सके, जिसकी वजह से वे हमारे से जुदा हो गए। अध्यक्ष महोदय। मैं अपनी तरफ से अपने साथियो की तरफ से उनके परिवार के सदस्यो को उनके जाने से जो आघात पहुचा हे, परमपिता से प्रार्थना करता हू कि उनको इस कभी न पूरा होने वाले घाटे को सहने की शक्ति प्रदान करे। चौधरी बंसी लाल जी हरियाणा के लिए एक मॉडल हे ओर वर्तमान सरकार उनके जीवन रवे प्रेरणा लेकर हरियाणा को आज ऊचाईयो पर ले जा रही

अध्यक्ष महोदय, सूरजभान जी बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे। वे अनुसूचित जातियो और जन जातियो के कल्याण के प्रति सदा समर्पित रहे हें। उनके निधन से हमने एक महान् व्यक्ति को खो दिया है। इसी तरह से स्वामी इन्द्रवेश जी एक आदर्श व्यक्ति थे ओर वे गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार से जुडे रहे। जहा से आप भी जुडे हुए हैं। उनके निधन रवे हमे बहुत ही दु:ख पहुंचा है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ हरियाणा के भूतपूर्व सदस्य श्री जय सिह राठी भी आज इस दूनिया मे नहीं रहे है उनके निधन से हमे बहुत दु:ख पहुचा है।

अध्यक्ष महोदय, बहन शान्ति देवी जी, एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्त्ता थी उन्होने अपनी पढाई लाहौर से की थी और वे आजीवन कुवारी रही और समाज की सेवा करती रही। उन्होने समाज कल्याण के लिए एक सस्था बना रखी थी और वह संस्था आज भी बहुत अच्छा काम कर रही है। उनका हमारे परिवार से पिछले 40 सालो से अच्छा संबध था और मैंने आज तक उन जैसी संत चाहे वह आदमी हो या औरत हो कोई नहीं देखा है। वे बहुत बड़ी संत थी। उनके निधन से हमें बहुत दुःख पहुचा है।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से उस्ताद बिस्मिल्ला खान, सुप्रसिद्ध शहनाई वादक आज हमारे बीच मे नहीं रहे हे। उन्होंने अपनी शहनाई से पूरी दुनिया मे नाम कमाया था और बहुत ख्याति प्राप्त की थी। वे बहुत बडी उसे मे हमारे बीच मे से चले गए है। हमे उम्मीद है कि भगवान उनके पुत्र को इस दु ख को सहने की शक्ति प्रदान करेगा। हरियाणा के स्वतत्रता सेनानी, हरियाणा के बहादुर शूरवीर जो हिन्दुस्तान की हिफाजत के लिए लडे, आज हमारे बीच मे नहीं रहे है। इसी प्रकार से हमारे पुलिस के नोजवान जोकि बस दुर्घटना मे मारे गये हैं, उनके प्रति भी मै अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता हू। इसी तरह से फरीदाबाद की बोट ट्रेजडी में मारे गये लोग, बोम्बे मे और कश्मीर मे उग्रवादियो द्वारा की गयी कार्रवाईयो मे मारे गये लोग, शहीद हुए लोगो के प्रति भी मै अपनी सवेदना प्रकट करता हू। मै परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हू कि वह उनके परिवारो को इस दुख को सहन करने की

शक्ति दे। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमत्री जी ने यह एक बहुत अच्छी शुरुआत की है कि चौधरी बंसीलाल जो इतने लम्बे अरसे तक मुख्यमंत्री रहे, उनके सम्मान मे, उनकी इज्जत करने के लिए आज हाउस को स्थगित करने का फैसला किया है। हमारे साथी डी० इन्दौरा साहब ने बोलते हुए कहा कि हादसे मे, एकाडेटस मे मरने वालो लोगो के लिए सरकार को नोर्म्स बनाने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अगर वर्तमान सरकार को देखा जाए तो डेढ़ पौने दो साल मे शायद एक भी वाक्या नही होगा जब कोई हादसा हुआ हो या दुर्घटना हुई हो और मुख्यमत्री जी ने खुलकर उस परिवार के लोगो की भरपूर मदद न करी हो इसलिए मै समझता हू कि हमारे भाई डॉ० साहब की पार्टी को इस सरकार से इस बारे मे सीखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इन शब्दो के साथ मै सभी दिवंगत आत्माओ के प्रति अपनी सवेदना प्रकट करता हू। धन्यवाद।

कृषि मंत्री (सरदार एच.एस. चड्ढा): सत्कार योग स्पीकर साहब, मै अज्ज उस बोली विच बोलांगा जिदे विच मैनू चौधरी बरनी लाल बहुत प्यार नाल सुणदे सी। 1972 दे विच चौधरी बंसीलाल जी ने मैनू टिकट दित्ती। मै ते चौधरी फूलचन्द मुलाना दोनो नाल–नाल लगदे हल्किया विच्चो जित्त के आए अते मैं उन्हा खुश किस्मत आदमिया दे विच्चो सा जेहडे एम. एलए. बणदिया सार ही मंत्री बणिया। मै उन्हा खुशकिस्मत आदमिया विच्चो सा जिन्हानू बरनी लाल जी ने सद के इह गल आक्सी कि देख भाई चड्ढा, मै नहरा कढणियां ने। तूं तेरा बाप– दादा नहर। दे जम्मे

होए हो मै ऐह चांहदा हा कि नहरां दे निकलन विच्च कोई कोताही न होवे। मेनू ओह समां याद है जदो मै मन्त्री हुन्दे होया जूई कैनाल, इन्दिरा गांधी कैनाल अते लिफ्ट इरीगेशन दी साईट ते चीफ इन्जीनियर पाठक दे नाल जा के तम्बुओ विच्च रएया करदे सी। दिन–रात कम्म कीता। चौधरी बसी लाल रोज पुच्छया करदे सी कित्थे अपडे, की गल्ल है, मैं लोका नाल वादा कीता है कि लोक। नू चलदा पानी दियागा ते खेता विच चलदा पानी पहुचावागां। स्पीकर सर ऐस हिसाब दे विच्च मैनू उन्हा दे नाल बहुत नेडे रहण दा मौका मिलिया। उन्ही दा कोई पता नहीं सी हुन्दा कि बारहा बजे रात चु पुच्छ लैणा कि बई सुनया है सीमेंट दी कमी सी, सुणाओ फलाणी नहर ते सीमेट दा की हाल है। उन्हा दा कोई पता नहीं सी लगदा कि कदा की गल्ल पुच्छ लैण। मेनू एक समा याद है कि पंजाब दी ट्रक यूनियन ते हरियाणा दी ट्रक यूनियन डेरा बरूनी विच्च इकट्ठी सी। हल राज शर्मा पंजाब दे मंत्री सन ते उत्थो एम. एल.ए. वी सन। हस राज शर्मा ने कह दित्ता कि हरियाणा दा ट्रक कच्चो माल नहीं लदेगा। ओस वले चौधरी साहब ने ज्ञानी जैल सिह नु किहा कि ज्ञानी जी, ऐह इक्का सूबा सी अज्ज दो–दो हो गए ने, इन्हा भरावा नू जेहडे सन 1922 तो इकट्ठे कम्म कर रहे हन इन्हानूं वी इत्थे ही कम्म करण दवो। ओहना दी ऐह गल्ल ना ज्ञानी जी ने सुनी ते ना शर्मा जी ने सुनी। चौधरी साहब ने उन्ह। नु दो दिना दा समा दित्ता कि दो दिना दे विच्च विच्च ही इह फैसला करो ते हरियाणा दे ट्रका नू लदवाओ। जदो उन्हाने ट्रक नही लदवाए ते चौधरी साहब ने पंजाब दा कोई ट्रक

दिल्ली तो अग्गे नहीं आण दित्ता। पंजाब दा जो ट्रक जित्थे खलौता सी उत्थे ही खलौता रिहा। ओही ज्ञानी जैल सिंह ते ओही हंस राज शर्मा चल के चौधरी बरनी लाल जी कोल गए ते फिर बैठके समझौता होया ते कम्म चल्लया। ए ओ ही चौधरी बसी लाल सन जिन्होनू एक वारी पजाब दे अकालिया ने कहया कि चौधरी साहब दिल्ली किददा उतरोगे ता उन्हाने कहया कि मै 6 महीने दे विच अलग सडक कढ के देयागा। 64 पुल बणे, छे महीनेया दे विच विच, ए इक रिकार्ड है।जे ए आख्या जावे कि असल हरियाणा देण वाला ओ सी ता इदे विच कोई शक दी गल्ल नहीं। हरियाणा अलफ ने बणाया, बे ने बणाया लेकिन हरियाणा नु उच्ची था ते लै जाण दा कम चौधरी बरनी लाल दा सी, होर किरने दा नहीं। हरियाणा नू ऐह शक्ल देण दा कम ते इरा था ते पहुचाण दा कम ते हरियाणा नु हिंदुस्तान दे नक्शे ते पहुंचाण दा कम चौधरी बसी लाल दा सी। होर किरने दा कम नहीं। मेनू याद है इक दिन चौधरी साहब ने ट्रासफरा बद कर दित्तिया। कौशल साहब ऐडवोकेट जनरल होदे सन। बसी लाल जी जगन्नाथ कौशल साहब नू घर जाके ऐडवोकेट जनरल बणा के आये सी। ओने राक शर्त रखी सी कि थल्ले वाला स्टाफ मेरी मर्जी दा होयेगा। बसी लाल –पनी ने केहा कि मै स्टाफ दे मामले बिच कुछ नहीं कहागा पर कोर्ट तो मैनू बचाई रखीं। ऐक वारी कौशल साहब चौधरी साहब दे कोल आए। नॉर्मली चौधरी साहब कौशल साहब दे घर जादे सन क्योकि कौशल साहब चौधरी साहब तो उस विच वड्डे सी। इस करके उन्हा दा मान करदे सन क्योकि कट्ठठे राज्य सभा विच

रहे सी। चौधरी साहब ने कौशल नू कहा कि बाबू जी तुसी किधर तकलीफ कीत्ती। उन्हाने कहा अज मेरी मा नामे तो आई है ता मै मा दे कम आया हा।

उन्होने केहा कि एहो जिहा की कम है तां उन्होने किहा कि मेरी मा ने आख्या है कि नर्स दा तबादला कर दयो। चौधरी साहब ने कहया कि बाबू जी तबादले तां मै बद कर दित्ते। तिन महीने बाद मैं तबादले खोलांगा ते मा दे घर ट्रांसफर आर्डर भेज देआगा। ऐसा डिसाइडर सी। फैसले जो लेदा सी इक वारी अफसर नू कम कहदा सी। दूजी दफा मुडके कम्म नहीं कहदे सी। असीं वी उन्हा वजीरा विच्चों सा जो किसे अफसर नू कम कहैदे सी ता ओ एक जवाब देदे रवी कि देख के दसागे कि ए कम हो सकदा है कि नहीं हो राकदा है फिर बाद विच दसदे सी कि ऊह कम हो सकदे या नहीं हो सकदा। हो सकदै ता क्यो हो सकदै जे नहीं हो सकदा तां क्यों नहीं हो सकदा ? उस महान पुरुष नू अगर मैं हरियाणा वारसे मिनी रब वी कहवा ता ओदे विच कोई शक नहीं होवेगा। अज उन्हां दे चले जाण तो बाद ऐ लगदा है कि परमात्मा करदा ओह सुरेन्द्र तो पहले चले जादे। बदकिस्मत बाप ओ होदा हे जिदे सामणे ओदे पुतर नू लम्बू लगे। खुशकिस्मत बाप ओ होदा है जिनूं ओदा पुत्तर लंबू लावे। उन्हां दे सामणे उन्हा दा हीरा चला गया। उसदे जाण तो बाद ओ अपणे पैरा तो नहीं खलो सके। उन्हांदे चले जाण तो बाद हरियाणा ने इक महान लीडर खो दित्ता हे जिस लीडर ने हरियाणा नू इक नवा

हरियाणा बणाया। मै होर कहण दे काबिल हा कि नही। मेरा होर कहण दा अधिकार है कि नहीं या मैं अपणे अधिकार तो अगे चलण लगा हा मैं इक प्रार्थना परिवार दे अगे करांगा कि बसी लाल जी दे मरण तो बाद उन्हा नू नीव। ना होण दयो। इन्हा अखरां नाल मैं चौधरी बसी लाल ते दूजेया साथिया नु ते जेडे शहीद ने, उन्हानू श्रद्धाजलि देंदा हो ते उस परिवार नू विनती करदा हां कि चौधरी बंसी लाल दे ना नूं हिंदुस्तान दे नक्शे तो न मिटाओ। मैनू याद है कि इंदिरा गाधी ने बम्बे बोलदयां इक वारी केहा सी कि ओ हिदुस्तान दे चीफ मिनिस्टरो अगर डिवैलपमैंट दी गल सिखणी है ता चौधरी बसी लाल तों सिखो। ओहो बंसी लाल जी अज नही है। परमात्मा करे उन्ह। दा स्वर्गा विच वारना होवे। इन्हा अखरा नाल क्षमा मंगदा हा, जय हिद।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, श्रीमती मीना मडल। माननीय मन्त्री महोदया की सिस्टर इन ला श्रीमती सुल्तानी देवी पत्नी श्री निरजन सिह का भी देहान्त हुआ है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि उनका नाम भी इस शोक प्रस्ताव मे जोड लिया जाए।

श्री अध्यक्ष: ठीक है।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): स्पीकर रार, जो शोक प्रस्ताव माननीय मुख्यमत्री जी ने आज इस सदन मे रखा है, मैं उस शोक प्रस्ताव का समर्थन करता हु। स्वर्गीय श्री सूरजभान जी,

स्वामी इन्द्रवेश जो, जय सिह राठी, श्रीमती शाति देवी, हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या, श्री शीश राम, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान एव हरियाणा के शहीद एव विचित्र दुर्घटनाओ मे जो लोग हमे छोड्कर चले गए है मैं उनको श्रद्धाजलि अर्पित करता हू। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बसीलाल जी जो लम्बे अर्से तक हरियाणा प्रदेश के मुख्यमत्री रहे, देश मे और भारत सरकार मे कई पदो पर मंत्री रहे। हरियाणा जैसे प्रदेश का नाम चौधरी बंसीलाल जी की वजह से हमारे देश मे ही नहीं पूरी दुनिया मे जाना गया। आपको हम सबको एक बात याद आती है जब हरियाणा प्रदेश बनाया गया था तो एक मखौल सा हरियाणा के बारे मे लोगो ने उडाया था दूसरे प्रदेशो मे यह कहा जाता था कि यह प्रदेश जो बना है क्या यह प्रदेश चल पायेगा और अपने सरकारी मुलाजिमो को तनख्वाह दे पायेगा। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल ने अपनी सोच से अपने प्रयासो से और लोगो के सहयोग से हरियाणा प्रदेश को एक ऐसे मुकाम पर लाकर खडा कर दिया कि उन दिनो अखबारो मे एक कहावत छपा करती थी और लोगो में यह चर्चा हुआ करती थी कि जब रात के अंधेरे मे हवाई

जहाज देश की सीमा मे प्रवेश करते थे और जब नीचे बिजली की रोशनी टिमटिमाती थी तो हवाई जहाज मे बैठे यात्री यह कहते थे कि शायद चौधरी बंसीलाल का हरियाणा आ गया है। अध्यक्ष महोदय, बहुतेरे ऐसे लोग भी होते है जो साधारण परिवार मे जन्म लेते हैं साधारण माहौल में पढाई–लिखाई करते हैं।

चौधरी बंसीलाल जी की भी यही विशेषता थी कि वे हमेशा जनसभा के माध्यम से लोगों से आह्वान किया करते थे मैं मुख्यमंत्री आपका बनाया हुआ हू। मै कोई राजा– महाराजा या बडे परिवार मे जन्म लेकर नहीं आया बल्कि किसान के घर काम करके आया हूं। किसान के घर –जन्म लेकर पढ़ाई–लिखाई करके आया हूं। एक अच्छे प्रयास के मातहत इस प्रदेश को आगे बढाने की कोशिश कर रहा हूँ। अध्यक्ष महोदय, ऐसे लोग भी इस देश मे हैं जो राजनेता, कितने ही बडे–बड़े प्रदेश के मुख्यमत्री तक रहे लेकिन उन्हे कोई आज जानता तक नहीं है। चौधरी बंसीलाल जी ऐसी प्रतीभा के मालिक थे मुख्यमत्री होते थे या भारत सरकार मे किसी दिमाग के मंत्री होते थे तो वह विभाग उनके नाम रवे चला करते थे। अध्यक्ष महोदय, जब वे भारत सरकार मे रेल मंत्री हुआ करते थे तो जब कहीं पर भी यह चर्चा हुआ करती थी कि आज चौधरी बंसीलाल जी फैलाने रेलवे स्टेशन पर पहुच गये तो सरकारी विभाग मे हडकप मच जाया करता था ट्रेन जो लेट चला करती थी वे सही समय पर चलने लग जाया करती थी। हरियाणा प्रदेश के अन्दर मुख्यमत्री होते हुए अधिकारियो के अन्दर या लोगो कै अन्दर जो प्रभावशाली तरीका सरकार चलाने का था उसकी एक मिसाल है और जब तक यह प्रदेश कायम रहेगा उन मिसालो को याद किया जाता रहेगा। अध्यक्ष महोदय, ऐसे भी लोग इस दुनिया मे हुए है जो सत्ता प्राप्ति करने के बाद और तरह के होते हैं और सत्ता से हटने के बाद और तरह के होते है। चौधरी बंसीलाल का हमने वह समय भी देखा जब शाह कमीशन मे उनकी पेशी हुआ

करती थी फाईलो के गट्टे शाह कमीशन मे प्रस्तुत किये जाते थे और अध्यक्ष महोदय, दूसरे पक्ष के वकील हुआ करते थे वे चौधरी बंसीलाल जी से सवाल पूछते थे कि चौधरी बंसीलाल जी आपकी फाईलो मे आपके पीए. और आपके ओ एस.डी. ने यह लिखा है The Hon'ble Chief Minister has approved. क्या आप यह मानते है जितने भी हुकम जारी हुए है वे आपकी सहमति से जारी हुए है तो चौधरी बंसीलाल जी ने ऑन रिकार्ड शाह कमीशन को यह कहा था कि मेरे पी.ए.या मेरे ओ.एस डी ने किसी भी फाईल पर यह लिखा है कि, The Hon'ble Chief Minister has approved तो वह हुकम मेरा हुकम माना जाए किसी स्टाफ या किसी अधिकारी या किसी तीसरे आदमी का नहीं हो सकता क्योंकि मेरे पूछे बिना किसी फाईल पर कोई कुछ नहीं लिख सकता। यह बात उन्होंने ऑन रिकार्ड कही है। ये सभी तथ्य आज भी मौजूद है। जितने भी आदेश चाहे किसी अधिकारी ने किए है अगर आप उन्हे गलत भी मानते हैं तो किसी अधिकारी ने लिखा हैं तो ये मेरा हुकम हैं आपने जो सजा देनी है उसकी सजा आप मुझे दे। अध्यक्ष महोदय, इस विधान सभा के अंदर 17 सालो से लगातार आप और हम चले आ रहे है और भी कई माननीय सदस्य यहा बैठे हैं जो लगातार कई सालो से विधान सभा मे आ रहे है। किसी भी पार्टी की सरकार रही हो, विधान सभा की गरिमा को चौधरी बंसीलाल जी ने हमेशा बनाए रखा और उन्होने ऐसा करके हमेशा एक? मिसाल कायम करने की कोशिश की। हरियाणा की समस्याओ को न केवल वे उठाते बल्कि उन समस्याओं के बारे में अच्छे सुझाव दिया

करते थे और उन समस्याओ का समाधान बताने की कोशिश किया करते थे कि पानी की समस्या का यह समाधान है और बिजली की समस्या का यह समाधान है। जो दूसरे नेता थे जानबूझकर सदन मे उनरने टकराने की कोशिश करते थे लेकिन बंसीलाल जी ने कभी भी स्पीकर की कुर्सी के सामने, कभी भी सदन के सामने, सदन की गरिमा को तोडने की कोशिश नही की और हमेशा सदन की गरिमा को बनाए रखा और कभी भी आऐ से बाहर आकर मर्यादा को नहीं तोड।। अध्यक्ष महोदय, इस सदन को, हरियाणा की जनता को, देश की जनता को आज जरूरत है कि बंसीलाल जैसे बच्चे इस देश मे पैदा हो, बंसीलाल जैसी मजबूत, अच्छी सोच के लोग इस देश मे शासन चलाए। राजनीति मे मन मुटाव तो होते रहते हैं। चौधरी बंसीलाल जी ने मेरे जैसे और भी न जाने कितने साधारण परिवार के लोगो को इस हरियाणा की राजनीति मे घर से उठा लाकर किसी को विधायक बनाया, किसी को सासद बनाया। अध्यक्ष महोदय, न केवल विधायक और सांसद बनाया बल्कि अच्छा आचरण, अच्छी सोच को एक मर्यादा के तहत कायम करना और अपने सभी साथियो मे वे उस अच्छी सोच को लाने की कोशिश किया करते थे। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा न कहते हुए अपनी तरफ से, अपने परिवार की तरफ रवे और सभी माननीय सदस्यो की तरफ से उनको श्रद्धाजंलि अर्पित करता हू। माननीय मुख्यमत्री जी पिछले दिनो दिल्ली मे चौधरी बंसीलाल जी के सम्मान मे कुछ अच्छी बातें कह रहे थे इसलिए मै माननीय मुख्यमत्री जी से निवेदन करना चाहता हू कि चौधरी बंसीलाल का

नाम, उनकी सोच उनके व्यवहार को अगर हम आम आदमी मे लेकर जाएंगे तो मैं समझता हूं कि एक अच्छा हरियाणा बनाने में हमे मदद मिलेगी। चट्टा साहब ने जैसे कहा और मुझे भी यह बात कहने मे संकोच नहीं कि चौधरी बसीलाल एक ऐसे सदस्य नहीं थे कि वे मात्र चौधरी बंसीलाल के बेटो मे,उनके रिश्तेदारो मे ही सीमित रहे इसलिए मैं चौधरी बंसीलाल के परिवार के सदस्यो से निवेदन करना चाहता हूं कि चौधरी बंसीलाल पर हक हरियाणा की जनता के एक–एक आदमी का है चाहे वह विपक्ष मे है चाहे पक्ष मे है। मेरी तरफ रवे और सदन के सभी सदस्यों की तरफ से हरियाणा की जनता की तरफ से बसीलाल जी के परिवार से अनुरोध है कि चौधरी बसीलाल एक सोच थे, चौधरी बसीलाल एक सस्था थे, उनकी सोच को उनके परिवार के लोगो को आगे बढ़कर बडप्पन दिखाते हुए और अपने मन–मुटावो को समाप्त करके इतने बडे आदमी के नाम को तोशाम या भिवानी तक सीमित न रखकर तमाम हरियाणा प्रदेश में और पूरे देश मे ले जाने की कोशिश करनी चाहिए, यही मेरी श्रद्धाजलि है।

श्री रामकुमार गौतम (नारनौंद): अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से, अपनी पार्टी की तरफ से चौधरी बसी लाल, चौधरी सूरज मान, स्वामी इन्द्रवेश, श्री जय सिंह राठी, बहन शाति देवी, श्री शीश राम, उस्ताद बिस्मिल्ला खान, हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी, हरियाणा के शहीदो को, बस दुर्घटना मे मारे गए सभी लोगो, बम्बई के मालेगाव मे बम विस्फोट मे मारे गए लोगो, मेरठ

अग्नि दुर्घटना, जम्मु कश्मीर मे आतकवादी हमले मे मारे गए लोगों, यमुना नौका दुर्घटना मे मारे गए लोगो और जो भी सदस्य पिछले सैशन ओर इस सैशन के बीच मे मारे गए सब लोगो को श्रद्धाजलि देता हू और शोक सतप्त परिवार के लोगो के प्रति हार्दिक सवेदना प्रकट करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, जहा तक चौधरी बसी लाल जी का सवाल है, चौधरी बसीलाल के बारे मे बहुत बातें कहीं गई, मै तो केवल इतना ही कहता हू कि चौधरी बसीलाल विकास पुरुष के इलावा कोलफेल के आदमी थे, जो बात उनकी समझ मे आ जाती थी और किसी को अगर वे कोई वचन दे देते थे और जिसका भला–बुरा उनके दिमाग मे आ जाता था उसको जरूर पूरा करते थे और उसमें किसी की दखलअंदाजी वे बर्दाश्त नहीं करते थे। इमैरजैंसी के वक्त मुझे तीन साल की कैद और 3000 रुपये के जुर्माने की सजा हो गई थी। उस समय बहुत से लोगो ने चौधरी बसी लाल जी को कहा कि गौतम अच्छा लड़का है और काग्रेसी परिवार के हे इसको छोड दिया जाये। लेकिन उनके जहन मे एक बात बैठ गई थी कि गौतम सही नहीं है उन्होंने किसी की नहीं मानी। उनकी समझ मे आने की बात थी कि यह बात सही है और यह बात गलत है उसी के हिसाब से वे फैसला लेते थे और वे अपनी धुन के पक्के थे। उनके मुख्यमत्री होते हुए उनके स्टाफ मे तीन–चार कर्मचारी थे। उनके बारे मे उन्होने अपने चीफ सक्रेटरी से पूछा कि कौन सा इनमे से ज्यादा काबिल है। चीफ सक्रेटरी ने कहा कि पगे गाव वाला पण्डितो का लड़का होशियार है। चौधरी बसी लाल जी ने तुरन्त कहा कि पेगे

गाव वाले शर्मा को एचसी. एस. नोमीनेट किया जाये और कर भी दिया। अध्यक्ष जी, चौधरी बसी लाल जी के दिमाग में बहुत बढिया भावना होती थी। जहां तक चौधरी सुरजभान जी की बात है, उनका सारा जीवन दलितो की सेवा में गुजर गया। वे दलितो की सेवा करते थे और गरीब आदमियो की उन्हें बहुत चिंता थी। गरीबो और दलितो पर वे मरते थे मै सदन से प्रार्थना करूंगा कि यदि यह सदन उनको सच्ची श्रद्धाजली देना चाहता है तो सभी प्रण ले कि आज के बाद दलितो के खिलाफ कोइ ज्यादती अत्याचार नही करेगे और जो छुआछात की बीमारी हमारे देश के लिए तथा प्रदेश के, लिए कलक का टीका बनी हुई है उसे जड से उखाड़ फेके। मै मुख्यमत्री जी से निवेदन करूगा कि जब यह सरकार प्रदेश मे आई थी तो उस समय गरीबो को और दलितों को इस सरकार से बहुत उम्मीदे थी क्योकि पहले वाली सरकार के समय इन पर बहुत जुल्म हुए थे। ''

श्री अध्यक्षः गौतम जी, इस समय शोक प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है। आप इस समय इधर– उधर की बात न करे। गौतम जी ने जो बाते शोक प्रस्ताव से हटकर की है, वे रिकार्ड न की जाये।

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, मैं डस शोक प्रस्ताव मे एक–दो नाम और जुडवाना चाहता हू। खुशालचद कम्बोज, डी एसपी. जेल थे। उनकी आतकंवादियो ने हत्या कर दी थी इस बारे मे मैने पिछले सैशन मे भी जिक्र किया था लेकिन

उनके परिवार के सदस्यो को इस सदन की तरफ से किसी प्रकार का कोई सवेदना पत्र नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, मै आपसे प्रार्थना करता हू कि खुशालचद कम्बोज जी को भी शहीदो मे शामिल किया जाये। इसके अतिरिक्त सोनू पुत्र श्री सुल्तान सिह, गांव आवल, जिला रोहतक, श्रीमती इमला पत्नी श्री इतबारी, गांव नारनौंद, जिला हिसार और अजय पुत्र श्री रामऋृषि, गाव नारनौद, जिला हिसार की गगामैडी के मेले मे जाते समय जो दुर्घटना हुई थी उसमे मृत्यु हो गई और 46 घायल हो गये थे। 46 मे से 23 को पाच– पाच हजार रुपये मुआवजे के मिल गये थे और 23 को मुआवजा नहीं मिला। मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि जिन 23 घायलो को मुआवजा नहीं मिला उनको भी मुआवजा दिया जाये और जिन तीन की मृत्यु हो गई थी उनके नाम इस शोक प्रस्ताव सूची मे ऐड कर लिये जाये।

श्री अध्यक्षः ठीक है, ऐड कर लिये जायेगे।

श्री नरेश यादव (अटेली): अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमत्री महोदय सदन मे जो शोक प्रस्ताव लेकर आये है मैं उसका अनुमोदन करता हू खासतौर पर चौधरी बसी लाल जी जो हरियाणा के निर्माता के रूप मे, लौह पुरुष के रूप मे और युग पुरुष के रूप मे जाने जाते रहे है उनके निधन से देश को और प्रदेश को बहुत क्षति हुई है। अध्यक्ष महोदय, मेरे राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1978–80 मे उस समय शुरू हुई थी जब मैं हिसार कृषि विश्वविद्यालय मे पढाई करता था और उसी समय मेरा

चौधरी बसी लाल जी से जुडाव हुआ था। मुझे 1991 का लोक समा चुनाव चौधरी वैसी लाल जी की पार्टी और जनता दल के साथ साझे मे लडने का अवसर मिला था। अध्यक्ष महोदय। चौधरी बसी लाल जी अपने सिद्धांत के –व्यक्ति थे। उनके अंदर जो गुण थे, क्वालिटी थी उसी के हिसाब से उन्होने अपने समय मे प्रदेश को प्रगतिशील बनाने के लिए बहुत काम किए। उन्होने प्रदेश को जो गति दी वह कभी नहीं भुलाई जायेगी। आज के दिन उन्होने जो काम किए थे उनको गति देने की जरूरत है। आज चौधरी बसी लाल जी हमारे बीच में नही है। चौघरी बसी लाल जी ऐसे व्यक्ति थे जिन्होने भिवानी। महेन्द्रगढ़ आदि जिलो के टिबो मे पानी पहुचाने का काम किया। उन्होने इन एरियाज मे लिफ्ट इरीगेशन के जरिये से पानी पहुचाया और नहरें बनवाई। लेकिन आज तक उसकी पुनरावृति नहीं हो पा रही है और उनमें कोई नई चीज ऐड नहीं हुई है। चौधरी बसी लाल जी जो आदेश देते थे उनकी पालना होती थी। उन्हें एक काम के लिए बार–बार किसी अधिकारी को कहना नही पड़ता था। किसी भी अधिकारी को एक बार पता चल जाता था कि चौधरी बसी लाल जी ने आदेश दिया है कि यह काम होना चाहिए तो उस काम पर अमल होता था। हम चौधरी बंसी लाल जी के साथ एक लम्बे समय तक रहे। चौधरी सुरेन्द्र सिह जी के साथ रहे। चौधरी बसी लाल जी के सुपुत्र चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी ने चौधरी बंसीलाल जी का काम सम्भाला हुआ था और हमने देखा है कि वे पूरे हरियाणा के नौजवानो के भाई की तरह थे, उनके दोस्त की तरह थे, उनका हमारे बीच से

अचानक चला जाना चौधरी बसी लाल जी को हरियाणा प्रदेश के लोगों से दूर ले गया। अध्यक्ष महोदय, मैं आज सदन मे प्रस्तुत इस शोक प्रस्ताव पर चौधरी बसी लाल जी के शोक संतप्त परिवार के साथ अपने आप को जोडता हूँ तथा चौधरी बसी लाल जी को अपनी श्रद्धाजलि अर्पित करता हू।

चौ० अर्जन सिह (छछरौली): माननीय अध्यक्ष जी जो शोक प्रस्ताव माननीय मुख्य मन्त्री जी ने इस सदन मे रखा है मैं उन सभी के प्रति अपनी श्रद्धाजलि अर्पित करता हू। चौधरी बसी लाल, भूतपूर्त मुख्य मंत्री, चौधरी सूरज मान जी, स्वामी इन्द्रवेश जी, श्री जय सिह राठी जी, बहन शाति देवी जी, श्री शशि राम जी, बिसिमल्लाह खा जी, हरियाणा के स्वतत्रता सेनानी, हरियाणा के सभी शहीद, बस दुर्घटना मे मारे गए सभी लोग, मुम्बई तथा मालेगांव मे हुए बम विस्फोटो मे जो लोग मरे हैं मै उन सभी लोगो के लिए तथा मेरठ अग्नि त्रासदी, जम्मु कश्मीर मे आतंकवादी हमलों मे मारे गए लोगो के प्रति और यमुना नदी नौका दुर्घटना मे मारे गए सभी लोगो के प्रति तथा अन्य मे आदरणीय वित्त मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी के चचेरे भाई श्री कर्ण सिंहा हरियाणा के राजस्व मन्त्री कैप्टन अजय सिह यादव के चचेरे भाई श्री अनूप सिह, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री शिव शकर भारद्वाज के मान्जे श्री सचिन एव हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री राजेद्र सिंह जून की चाची श्रीमति खजानी देवी के दुखद निधान पर मै अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से

हार्दिक दुख प्रकट करता हूं तथा परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इन शोक संतप्त परिवारों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। जहा तक चौधरी बसी लाल जी का सम्बन्ध है, मैं उन्हे इन्सान न मान कर भगवान की संज्ञा देता हूं। वे भगवान ही थे इसमे कोई दो राय नहीं है। आज चाहे कोई भी व्यक्ति चाहे किसी भी सरकार मे हो अथवा किसी भी पार्टी से जुडा हो और चाहे किसी भी बिरादरी से जुडा हुआ है, कोई भी व्यक्ति चौधरी बसी लाल जी मे कोई कमी नहीं निकाल सकता है। उन्होंने मेरे खिलाफ एक बार एक केस दर्ज करवा दिया था और वह केस किसी के चुगली करने पर दर्ज करवाया था। चौधरी बसी लाल जी के वहा से जाने के बाद क्या हुआ वह बात मैं यहा पर बताता हूं कि एक छोटे से वर्कर की बात का भी उनको कितना ध्यान रहता था। तावडू मे प्रोग्राम था और चौधरी साहब ने वहां पर ड्यूटी लगाई हुई थी। वहा पर जाते ही उन्होने पूछा कि अर्जन के खिलाफ कुछ आदमी वहा पर मिले थे और उनका कहना था कि वह लाल बत्ती लगाकर घूमता है और बदमाशो का टोला अपने साथ रखता है, यह करता है, वह करता है। उस वक्त सुभाष चौधरी ने बाबूजी से यह कहा था कि सर। ऐसी कोई बात नहीं है। वह बहुत ही बढ़िया आदमी है, बाबूजी, आपको मिसगाईड किया गया है उनसे अच्छा वर्कर सारे हरियाणा मे नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं डी सी, साहब के पार। बैठा तो बाऊ जी का फोन डीसी को आया और कहा कि भई मैने जो बाते कही है वे मै वापिस लेता हू। उसके बाद जब बसी लाल जी हास्पिटल में थे तो

मैं उनके पास गया था। अध्यक्ष महोदय, ऐसा सच्चा आदमी हरियाणा मे तो क्या सारी दुनिया मे आज तक पैदा ही नहीं हुआ है और न ही होगा। पता नहीं ऐसी दुनिया मे भगवान ने ऐसा सच्चा आदमी कैसे भेज दिया था। अध्यक्ष महोदय, एक बार टिकट की बात आई थी तो मैंने कहा था कि बाऊ जी मैं इलैक्शन लड़ना चाहता हूं तो उन्होने कहा था कि टिकट देते वक्त तेरा ध्यान रखुगा और तू इलैक्शन लड और तू जरूर जीतेगा। जब टिकट मिल रहे थे तो मैंने कहा बाऊ जी मैं इलैक्शन लड़ रहा हू। उन्होने कहा जरूर लड। मैने कहा बाऊ जी मैने बहुजन पार्टी से टिकट ले लिया है तो उन्होने फिर कहा कि कोई बात नहीं तू लड आर तू जरूर जीतेगा और तेरे जैसे सच्चे आदमी की आज जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, उनको इस बात की फ्रिक नहीं थी कौन किस पार्टी से है, वे सच्चे आदमी का हमेशा साथ देते थे। अध्यक्ष महोदय, एक बार की बात मै आपके माध्यम से सदन मे कहना चाहता हू कि एक बार चौटाला साहब ने आन्दोलन किया था उस वक्त पत्रकारो ने उनरने पूछा था कि आप इस बारे मे क्या कहना चाहते हैं तो उन्होने उस वक्त भी कहा था किसान गलत कर रहे हैं और उनको अपने बिल भरने चाहिए। इसी तरह से एक बार पत्रकारो ने जब श्री हुड्डा जी के परिवार की बाते अखबारो मे आ रही थी तो उन्होने पूछा था कि चौधरी बसी लाल जी आप हुड्डा जी के परिवार मे जो हो रहा है उसके बारे मे क्या कहना चाहते हैं। उस वक्त भी उन्होने कहा था कि मैं हुड्डा के परिवार को बहुत अच्छी तरह रवे जानता हू और वह परिवार इस तरह की कोई बात

नहीं कर सकता हे। अध्यक्ष महोदय। उस वक्त मै बाऊ जी के पास ही बैठा हुआ था जब क्य–होने पत्रकारो से यह बात कही थी। अध्यक्ष महोदय, सुरजेवाला जी ने और चट्ठा जी ने एक एस. पी. के बारे जो बात यहा पर कही है, वह आदमी ठीक नही है। तो इस बारे मे मै भी कहना चाहूगा कि वह बात बिलकुल सही है उन्होने कार्यकर्त्ताओ के कहने पर उस एस. पी. की बदली कर दी थी। उस एस. पी. की काफी पहुच थी और बाऊ जी को लोग कहने लगे कि आपने एक वर्कर के कहने पर ऐसा कर दिया तो उन्होने कहा कि मेरा वर्कर ठीक कहता है और मैने जो कर दिया है वह बदलेगा नहीं। उस अफसर ने बहुत जोर लगा लिया था लेकिन कुछ नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, भाई कर्ण सिह दलाल जी ने जो बाते कही है मैं अपने आपको उनके साथ जोडता हू और बसी लाल जी के परिवार से निवेदन करता हू कि बसी लाल जी का प्रदेश और देश मे ही नाम नहीं था बल्कि विदेश मे भी बहुत नाम था इसलिए आप सब उनके नाम को और ऊचा उठाए।

श्री हर्ष कुमार (हथीन): अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमत्री जी ने सदन मे भूतपूर्व मुख्यमत्री जी का और दूसरे साथियो का जो शोक प्रस्ताव रखा है मै भी उनके प्रति अपनी तरफ से और अपने परिवार की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हू। इसके साथ ही जो शहीद है और जो दूसरी हत्याएं हुई है उन सब के प्रति शोक प्रकट करता हू। माननीय मुख्यमत्री जी ने जो चौधरी बसी लाल जी का शोक प्रस्ताव सदन मे रखा है उस बारे

मे मै गहरा दुःख प्रकट करता हू। सभी साथियो ने, मेरे से बजुर्ग साथियो ने चौधरी बसीलाल जी के बारे मे, उनकी कुछ यादाश्त के बारे मे, उनकी नीतियो के बारे मे, उनके कुशल प्रशासक के तोर पर उनके द्वारा किए गये कार्यो के बारे मे काफी बाते कही हैं। अध्यक्ष महोदय, यह सौभाग्य शायद ही किसी व्यक्ति को मिला होगा जैसा चौधरी बसीलाल जी को मिला है। मैं तो यहां तक कहूंगा कि एक किस्म से राजनीति मे चोधरी बंसीलाल का स्थान, चौधरी बंसीलाल जी का दर्जा इस देश के बहुत रवे उच्च कोटि के नेताओ से जिन्होने देश के लिए बहुत कुर्बानिया दी है और जोकि पहले ही इस दुनिया रो चले गये हें, किसी भी प्रकार से कम नहीं है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बसीलाल जी मेरे पिता जी के दोस्त रहे है। उन्हीं की प्रेरणा से मैने भी राजनीति मे प्रवेश किया था। मैने राजनीति मे उनको अपना गुरू माना। मैंने राजनीति में चौधरी बसीलाल जी से बहुत कुछ सीखा। अपना दायित्व निभाने का हुनर मैने चौधरी बंसीलाल जी से ही सीखा। अपनी नीति और अपने सिद्धात पर आदमी किरन तरह से कायम रह सकता है यह हुनर भी मैंने चौधरी बंसीलाल जी से ही सीखा। आदमी अपनी नीयत से न गिरे यह हुनर भी मेंने उनसे ही सीखा। मुझे सौभाग्यवश उनके साथ काम करने का मौका भी मिला है। अपनी सरकार मे उन्होंने मुझे इरीगेशन मिनिस्टर बनने का साधन दिया और उस साधन से मैने जो चौधरी बंसीलाल जी की बाते देखीं, उनका जो प्रशासन देखा वह बहुत काबिलेतारीफ है। मुझे आज भी याद है कि सिचाई विभाग मे एक वर्ल्ड बैक का प्रोजेक्ट मंजूर हुआ था। यह प्रोजैक्ट

डब्ल्यू.आर. सी.पी. का था। यह शायद 1992 या 1993 मे मजूर हुआ था लेकिन 1996 में जब चौधरी बंसीलाल की सरकार बनी तो उस समय तक इस प्रोजैक्ट का दस परसेट काम भी नहीं हुआ था। चौधरी बंसीलाल जी ने सत्ता सभालने के बाद उस प्रोजैक्ट पर काम किया। इसी तरह से हथनी कुंड बैराज या ओटू वियर बगैरा के जितने भी प्रोजैक्ट उस समय थे उनमे एक भी साईट ऐसी नहीं थी जिस पर चौधरी बंसीलाल जी ने दसवे या पन्द्रवे दिन खुद जाकर काम न देखा हो। उनका जो टीम वर्क का तरीका था वह. काबिलेतारीफ था। ऐसी मिसाल राजनीति मे बहुत कम मिलती है। हमारा इलाका आगरा कैनाल का इलाका है वहां पर उत्तर प्रदेश से पानी आता है चौधरी बंसीलाल जी ने मेहनत करी ओर आगरा केनाल के जो रजवाहे हैं उनको उस समय हरियाणा सरकार ने अपने कट्रौल मे लिया। उनका साढे तीन साल का जो समय रहा तो चाहे मेवात का जिला हो, चाहे फरीदाबाद का जिला हो या चाहे गुडगाव का जिला हो, इन जिलो की नहरो की एक एक टेल पर उस समय पानी पहुचा था इसलिए आज भी लोग उस समय को याद करते है। हरियाणा मे उनकी बहुत मिसालें हैं इसलिए मे ज्यादा नहीं कहूगा लेकिन जब भी हमे उनके साथ बैठने का मौका मिलता था तो वे एक ही बात कहते थे कि कभी कितना भी कुछ हो जाए किसी को धोखा मत देना। ईश्वर धोखा देने से नाराज होता है लेकिन धोखा खाने से राजी होता है। वे कहते थे कि जिसके साथ बैठते हो उसी के साथ रहना चाहिए और जिदगी मे कभी भी उसको धोखा नहीं देना चाहिए। मै अपने

आपको किस्मत वाला मानता हूं कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। जब तक वह इस धरती पर रहे और जब वह इरा धरती से गए, मुझे उनके साथ रहने का मौका मिला। अध्यक्ष महोदय, इस प्रदेश मे जो पिछडे हुए इलाके है उनकी तरक्की की तरफ हमारे मुख्यमत्री का बहुत ध्यान है। मुख्यमत्री जी हमारे इलाके को बहुत प्यार करते हैं। 28 अगस्त को जो राजस्थान मे कामा तहसील मे पानी की टकी गिरने का हादसा हुआ था उसमे हरियाणा के भी चार नौजवान मारे गये थे। इनके नाम इस प्रकार से है– जुबेर पुत्र श्री माजिद, गाव जादोली जिला मेवात, पीर मोहम्मद पुत्र श्री भारू गांव सिंघलेहरी जिला मेवात, आबिद पुत्र श्री रजाक, गाव नाई मेवात, साजिद पुत्र श्री शोकत। गाव तिरवारा जिला मेवात।

इसलिए मेरी गुजारिश है कि बकिा और शोक प्रस्तावो की कड़ी मे इनका नाम भी जोड लिया जाए। धन्यवाद।

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने जो शोक प्रस्ताव रखे है मैं भी उनका समर्थन करता हू। जो विभूतिया हमारे बीच मे नहीं रहीं जैसे चौधरी बसी लाल जी, सूरज भान जी, स्वामी इन्द्रवेश जी, जय सिह राठी, शांति देवी एंव फ्रीडम फाइटर व सीमाओ पर रक्षा करते सेना के नौजवान। उनके प्रति भी गहरा शोक प्रकट करता हू। आज सबसे पहले तो मै मुख्यमत्री जी ने जो फैसला लिया उसके बारे में जरूर कहूगा कि हम जब से राजनीति मे आये, जबसे सत्ता मे आए थे तब से हमने

कुछ परम्पराओ का निर्वहन करने का फैसला किया था और नयी स्वस्थ्य परम्पराएं कायम करने की कोशिश की। जब हमे यह सूचना मिली कि हमारे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित भगवत दयाल शर्मा और आदरणीय चौधरी देवीलाल जी का निधन हुआ तो उनके निधन के बाद जब भी सदन की कार्यवाही हुई तो उनके सम्मान मे सदन स्थागित कर दिया गया, उसी परम्परा का निर्वहन आज हमारी सरकार ने और हमारे सदन के नेता ने किया है। मैं भी इस परम्परा का समर्थन करता हूं। बसी लाल जी का भी हरियाणा की राजनीति मे अपना एक योगदान है जिसको कोई भुला नहीं सकता। बहुत से साथियो ने उनके जीवन के विभिन्न पहलुओ के बारे मे चर्चा की। उनके बारे मे उनकी जो अपनी–अपनी यादे थी, उनको उन्होने दोहराया। मैं उनके एक खास पहलू के बारे मे जरूर कहना चाहूगा। आज की राजनीति में ईमानदारी की छाप अगर कोई रख सकता है तो उसको उसका बहुत बडा श्रेय जाता है। आज की राजनीति मे जिस प्रकार से बडे बडे नेताओ पर उगलिया उठती है लेकिन चौधरी बंसी लाल जो ने अपने सारे राजनीतिक जीवन मे जो परम्पराए है, जो मूल्य है उनका तो उन्होने निर्वहन किया ही, उसके साथ ही साथ उन्होंने अपनी राजनीति मे ईमानदारी की एक मिसाल भी कायम की और उसका अगर किसी को अदाजा हो सकता है तो वह मुझे हो हो सकता है शायद और किसी को न हो। 1989 मे 23 या 24 जनवरी को उनको हार्ट की तकलीफ हुई थी उस वक्त उनके पास मैं ही था जब उनको ज्यादा दर्द हुआ तो उन्होने मुझे कहा कि मेरे पास

ड्राईवर या मेरा कोई अपना आदमी नहीं है और बीरेन्द्र सिह तेरे पास गाडी है तू ही मुझे होस्पीटल ले चल। मै उन्हे होस्पीटल लेकर गया तो वहा के डॉक्टर्स ने कहा कि इनको तो तकलीफ ज्यादा है इसलिए इनको राम मनोहर लोहिया अस्पताज ले जाना पडेगा। मैने उन्हें वहा ले जाकर ऐडमिट करवाया उसके बाद उन्होने मुझे कहा कि भिवानी खबर करो। मैं अपने मकान मे आया उन दिनो मैं दिल्ली मे 8 विशभर दास मे रहता था। मैने भिवानी खबर की उसके बाद फिर टैलीफोन आया कि आपको बाबू जी ने बुलाया है। मै फिर वापस गया तो मेरे पहुचने पर उन्होंने कहा कि कमरे का दरवाजा बद कर दो, मैने कमरे का दरवाज बद किया तो उन्होने मुझसे यह कहा कि मेरे पास इतनी सपत्ति है, यह कुछ है। हो सकता है कि इस बात का उनके बच्चो को भी पता न हो। उन्होने मेरे को सारा ब्यौरा दिया कि मेरे पास ये ये सामान है। सामान के बारे मे सुनकर मै हैरान था कि एक आदमी जो 11–12 साल तक मुख्यमत्री रहा हो उसके बावजूद उनके पास ऐसा कुछ नहीं था जिसकी वजह से उनको चिता हो और वे मुझे उस बारे मे कहना चाहते हो लेकिन एक बात उन्होने जरूर कही कि जो मे यहा कहना चाहूंगा और उसी बात को कहने के लिए मै खडा हू उन्होने कहा कि यह साल कुछ मेरे दोनो बेटो को बता देना क्योकि जब तक वे आएंगे तब तक शायद मैं जिंदा नहीं रहूगा। उनसे दूसरी बात यह कहना कि वे आपस मे लडाई न करे। आज भाई सुरेन्द्र सिह हमारे बचि मे नही है, भाई रणबीर सिंह यहा पर है। मै तो यह मानता हू यह उनकी आखिरी इच्छा थी। हो सकता

हे कि उन्होने वर्ष 1939 में यह सोचा हो। आज हरियाणा ऐसे युग पुरूष जिन्होने राजनैतिक मान्यताओ का निर्वहन किया हो जिन्होने राजनैतिक जीवन मे मूल्यो का निर्वहन किया हो जिन्होने राजनैतिक जीवन मे ईमानदारी के प्रतीक के तौर पर जाने गये हो और यही नही अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल जी जब मुख्यमत्री बने थे तो उनके बारे मे कोई नहीं जानता था कि वे किस जाति के है और किस बिरादरी से है। जब उनको मुख्यमंत्री की शपथ लेने के लिए हाई कमान ने फैसला किया तो मेरे पिता जी ने मुझ से पूछा कि यह कौन है। तो मैंने कहा कि मै उनके लडके सुरेन्द्र को जानता हू क्योकि हम लॉ मे इकट्ठे पढते हैं और मैंने उनको बताया कि यह फला गाव के है। उनकी जो पहचान थी वह यह थी कि सभी बिरादरी के मुख्यमत्री थे। चौधरी बसीलाल जी 12 साल प्रदेश के मुख्यमत्री रहने के बाद और 40 साल तक राजनीतिक जीवन बिताने के बाद उनकी वही पहचान बनी रही कि वे किसी एक बिरादरी के नेता नहीं बने तथा वे किसी एक पक्ष विशेष के नेता नही बने। उनको अगर जाना गया तो इस बात से जाना गया कि सभी बिरादरी के लोगो ने उन्हे प्यार दिया इज्जत दी। यह उनकी सबसे बड़ी पहचान थी वरना तो दूसरे लोग आए और गये लेकिन उनकी पहचान दूसरे तरीके से बनी। लेकिन प्रजातन्त्र मे अगर हम जातिवाद से ऊपर उठकर धर्मान्धता से ऊपर उठकर अगर हम सोचते हें तो यह एक बडी सोच का परिचायक है। इसलिए मै मानता हूं कि चौधरी बंसीलाल सिर्फ एक कुशल प्रशासक ही नहीं थे चौधरी बसीलाल जी मे सिर्फ अपनी बातो के

धनी होने की जो उनमे खासियत थी सिर्फ वहीं नही थी उनकी जो सोच थी उसका एक विराट रूप था उस सोच का होना ही एक बडे आदमी और एक? युगपुरूष का प्रतीक होता है। पण्डित जवाहर लाल नेहरू या जब कोई देश का बडा नेता चुनाव मे कही पर खड़ा होता था और उनका पता लगता था चाहे वे आर्चाय कृपलानी हो या अहमदाबाद मे इन्दु भाई यागनिक हो वे वहां जाकर खुद भाषण देते थे और कहते थे कि यह भला आदमी है मैं इसके विरोध मे वोट मागने नहीं आया जो आपका मन कहे वह फैसला करना। ऐसे ही चौधरी बंसीलाल जी भी जब कहीं पर भी किसी पार्टी का उम्मीदवार खडा होता था तो अपनी पार्टी की परवाह न करते हुए किसी भले आदमी के लिए दो शब्द कहने से नहीं चूकते थे। मेरे कहने का अभिप्राय यह हे कि बडे व्यक्तिव के धनी थे और हरियाणा की राजनीति से उनका जाना और उस खला को पूरा करना उसी प्रकार की राजनीति का निर्वहन करना है यह हमारे लिए एक चुनौती है अगर हम इस चुनौती को स्वीकार करते है तो हम चोधरी बंसीलाल जी को सही श्रद्वांजलि दे सकते हे। इसी प्रकार से श्री सूरजभान जी जो एक छोटे से परिवार से उभरकर आये थे। उनका एक किस्सा मुझे याद है वे ज्यादातर आर.एस. एस. और बी जेपी. से जुड़े रहे ओर उनका कार्यक्षेत्र आर.एस एस और बीजेपी ही थे। जब वे यूपी. के गवर्नर थे तो एक बार मुझे पार्लियामेटरी हाऊस मे मिल गये तब उन्होने कहा कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी मेरा जल्दी ही तबादला होने वाला है शायद उनको जब हिमाचल का गवर्नर बनाना तय हो चुका था। तब

उन्होने कहा कि आप एक बार नैनीताल का गवर्नर हाऊस मे मेरे निमंत्रण पर जरूर रूक कर देखो तो आप जान पाओगे कि उससे बढिया कोई ऐसा भवन नहीं देखा होगा। उनका इतना प्रेम भी मेरे प्रति था हालांकि मे तो दूसरी पार्टी से संकय रखता था। ऐसे लोग भी हरियाणा मे हुए है। इसी प्रकार से स्वामी इन्द्रवेश जो सामाजिक कार्यकर्ता थे जो धर्म के क्षेत्र मे धर्मान्धता के खिलाफ ओर भ्रूण हत्या के खिलाफ आखिरी दम तक लड़ते रहे ऐसे महापुरुष हमारे बीच से उठ गये है मै अपनी तरफ रवे चौधरी बसीलाल जी और सभी महान विभूतियो को अपनी श्रद्वाजलि अर्पित करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै सभी सदस्यो से प्रार्थना करुंगा कि हम सब आज इनके व्यक्तित्व मे जो गुण थे उन गुणो को ग्रहण करेगे, इससे हमे इस बात का अहसास होगा कि हमने महापुरुषो से कुछ सीख ली। इन्हीं शब्दों के साथ मैं दिवगत सदस्यों को अपनी पुष्पाजलि अर्पित करता हू।

Minister of State for Forests (Smt. Kiran Chaudhary): Hon'ble Speaker, Sir, as I rise today to give my respectful obituary references to all those who are not with us today. I am reminded of immortal words. "Lives of great men remind us, we must make our lives sublime, and departing leave behind us, footsteps on the sands of time." There is no doubt whatsoever in my mind and in the minds of all the people of Haryana and the nation that Ch. Bansi Lal Ji, has left an indelible imprint on the people of Haryana and also the

nation. Sitting here today, hearing everybody, I get a sense of pride that I belong to a family, to a name that has been eulogised here over and over again with so much of respect and honour. Mr. Speaker, Sir, the moment, Ch. Bansi Lal, took over as the Chief Minister of Haryana in 1968, Smt. Indira Gandhi Ji, gave him her blessings. His first priority was to get down to development works. He started of by building a network of roads, bringing electricity to every village, schools, hospitals and Universities everything that the State required and in fact Haryana became the first State in the entire nation, which could boast of roads and electricity in every village. He was a great visionary, a man who thought of the future. He came from very humble belongings but his mind was empowered with a great many visions. He had a dream and to conceptualize the dream, he worked very hard. Mr. Speaker Sir, tourism in Haryana was started by him. He pioneered tourism in the State when nobody had ever heard of Highway tourism. It was pioneered by him and there were so many first instances which he pioneered. Mr. Speaker Sir, he was a man who was an avid reader, he had voracious appetite for it. He was an able and strong administrator. He was a man who believed in women empowerment. It is a fact. I have no hesitation in saying so here today that it was he, after the tragic death of his son, Shri Surender Singh in helicopter incident, who took the decision of putting the Pugree on the head of his grand daughter, Shruti Chaudhary, amid protests but he knew that this was the right thing to do and he carried forth irrespective of age old customs. He was a man who liked to do everything in record time and a lot of my colleagues spoke about his dynamism. Hathni Kund Barrage was made in record time. He understood the very basic grassroots and what

the State required and that was the reason why Smt. Indira Gandhi ji called him back to the Centre and made him Railway Minister and gave him the responsibility of the Surface Transport Minister, where he did a commendable work. He was the Minister of the Surface Transport for Aviation and for also Shipping, alongwith that he was afterwards made the Defence Minister of the nation and his contribution towards nation building as far as the Defence was concerned, is also very contributory and very laudable.

Mr. Speaker Sir, there is no doubt that he was a man of destiny and destiny itself had chosen him to come forward and work for the State.

खुदी को कर बुलंद इतना

खुदा बदे से खुद पूछे

बता तेरी रजा क्या है।

He definitely was a man of destiny and with sheer hard work, great honesty and vision, he made Haryana a modern Haryana of today. I feel a deep sense of pride to be family member of such a great man like him. Mr. Speaker Sir, I would like to say that our Chief Minister is carrying on in the same footsteps as far as development is concerned. We should unanimously pass a resolution in the House that Ch. Bansi Lal Ji should be given Bharat Ratna and we should send that resolution to the Prime Minister that Ch. Bansi Lal should be awarded Bharat Ratna. Thank You.

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा (मुंढालखुर्द): माननीय स्पीकर साहब, आपके माध्यम से माननीय मुख्यमत्री जी ने सदन के सामने जो शोक प्रस्ताव रखा है उसके लिए मै उनका धन्यवाद करता हू। इसके अतिरिक्त जिन वक्ताओं ने इस शोक प्रस्ताव पर अपने विचार प्रकट किए हैं उनका भी मैं तहदिल से शुक्रिया अदा करता हू। अध्यक्ष महोदय, मे बोलना नहीं चाहता था लेकिन एक बात मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमत्री जी को और सदन को कहना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी की सर्विसिज को जिस हिसाब से आज याद किया गया है वे उनके किए हुए कामों के अनुरुप है। उन्होने अपने कामो को जो अमलीजामा पहनाया उसके बारे मे हम सभी जानते हैं। लेकिन एक बात मै कहना चाहता हू कि मेरी पूज्य माता जी चौधरी बसी लाल जी की धर्म पत्नी है। वे आज भी अपने ही मकान में पुलिस की हिरासत मे है और वहां लोग बेठे हुए है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से हाउस से और मुख्यमत्री जी से प्रार्थना करता हू कि हमारी चार दीवारी मे जो पुलिस के आदमी बैठे है उनको बाहर निकाला जाये ताकि मेरी मा ठीक से रह सके, धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मुख्यमत्री जी ने जो शोक प्रस्ताव सदन मे रखा है और दिवंगत आत्माओं के प्रति माननीय सदस्यो ने जो अपने विचार प्रकट किये हे मैं भी अपनी भावनाए उनके साथ जोड़ता हू। पिछले अधिवेशन के समाप्त होने के पश्चात और इस अधिवेशन के आरम्भ होने के बीच मे हमारे

बीच मे से कई महान विभूतिया इस दुनिया को छोड कर चली गई है। सबसे पहले मुझे चौधरी बसी लाल, हरियाणा के भूतपूर्व मुख्य मंत्री तथा केन्द्रीय मंत्री के हुए दुखद निधन पर बहुत ही दुख है। चौधरी बसी लाल जी ने जो हरियाणा प्रात के कल्याण तथा चहुमुखी विकास के लिए कार्य किये उनसे हम सभी भली– भाति परिचित है और उनके हरियाणा प्रात के विकास मे दिए गए योगदान को हम कभी भी नहीं भूल सकते है। वे न केवल कुशल राजनीतिज्ञ थे बल्कि बहुत ही अच्छे प्रशासक भी थे। हरियाणा के ग्रामीण तथा शहरी विकास का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं होगा जहा उन्होने अपनी कार्यकुशलता की गहरी छाप न छोड़ी हो। न केवल हरियाणा मे बल्कि देश की राजनीति मे भी उन्हे कई बार ससद सदस्य तथा केन्द्रीय मन्त्री के रुप मे सेवा करने का अवसर मिला। उन्होनें वहा पर भी रक्षा, परिवहन तथा रेलवे जैसे बहुत ही महत्वपूर्ण विभागो मे अभूतपूर्व कार्य किये और अपनी सक्षम एव असाधारण कार्यकुशलता से सारे देश को प्रभावित किया। भूतपूर्व प्रधान मन्त्री श्रीमति इन्दिरा गन्दी के वह अति निकट सहयोगी रहे और उनके आर्शीवाद से उन्होने आम जनता के कल्याण के लिए सभी कार्य किये। माननीय सदस्यगणो ने चौधरी बसी लाल जी के बारे मे बहुत कुछ कहा है इसलिए मुझे कुछ और ज्यादा कहने –की जरुरत नहीं है। उनके निधन से न केवल हरियाणा प्रात ने बल्कि पूरे देश ने एक अभूतपूर्व राजनीतिज्ञ तथा कुशल प्रशासक खो दिया है।

मुझे भूतपूर्व केन्द्रीय मन्त्री तथा उत्तर प्रदेश, बिहार तथा हिमाचल प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल श्री सूरजभान के निधन पर भी गहरा दुख है। श्री सुरजभान जी हरियाणा विधान सभा के सदस्य तथा मन्त्री भी रहे। लोक सभा मे भी वह तीन बार चुने गए और उन्होंने वहां पर कई संसदीय समितियो के सदस्य एव अध्यक्ष के रुप मे कार्य किया। उन्होने लोक सभा के उपाध्यक्ष पद पर रह कर भी देश की सेवा की। उनका अनुसूचित जाति एव जन जाति के साथ विशेष लगाव था। वे राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एव जन जाति आयोग के अध्यक्ष के रूप मे अतिम समय तक कार्य करते रहे। उनके निधन से हमने एक योग्य प्रशासक तथा कुशल सांसद खो दिया हे।

मुझे स्वामी इन्द्रवेश के निधन पर भी गहरा दुख है। उन्होने लोक सभा के सदस्य के ‘रुप मे तथा गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलपति के रुप मे देश की सेवा की। सामाजिक बुराईयो को जड से उखाडने मे उनका विशेष योगदान रहा है। वे आर्य समाज से सम्बधित थे और आर्य समाज के सिद्धान्तो के प्रचार मे उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके निधन से हमने एक महान समाज सुधारक तथा सांसद को खो दिया है।

मुझे श्री जय सिह राठी तथा बहन शांति देवी हरियाणा के भूतपूर्व सदस्यो के निधन पर भी गहरा दुख है। श्री जय सिह राठी की खेलो मे विशेष रुचि थी तथा बहन शांति देवी एक सच्ची

समाज सेविका थी। करनाल मे उनकी समाज सेवा से सभी परिचित हैं।

मुझे श्री शीश राम, सयुक्त पंजाब विधान समा के भूतपूर्व सदस्य के निधन पर भी गहरा दूख मे सगीत क्षेत्र के महान कलाकार और शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खान के निधन पर भी गहरा दुख प्रकट करता हूं। वह एक उच्च कोटि के संगीतडा थे। उन्होंने सगीत के क्षेत्र मे अपनी उपलब्धियों के लिए ''भारत रत्न'' जैसा सर्वोच्च सम्मान प्राप्त किया। संगीत जगत मे उन जैसा समर्पित कलाकार मिलना बहुत ही मुश्किल है। उनके निधन से हमने एक उच्च कोटि का महान सगीतज्ञ खो दिया है।

इसके साथ ही मे स्वतन्त्रता सेनानियो, जिनका नाम माननीय मुख्य मंत्रो जी ने अपने शोक प्रस्ताव मे लिया है, के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। आज इन्हीं स्वतन्त्रता सेनानियों की कुर्बानी का फल है कि हम एक आजाद तथा विकासशील देश के नागरिक हैं। इन स्वतन्त्रता सेनानियो ने सच्चे मन एव पूर्ण समर्पण से देश की सेवा करते हुए हंसते–हसते अपनी कुर्बानी दी। हमें इनके बलिदान से प्रेरणा लेते हुए अपने देश और समाज की पूर्ण रूप से सेवा करनी चाहिए। मुझे हरियाणा के उन सभी शहीदो, जिनका नाम मुख्य मंत्री जी ने अपने शोक प्रस्ताव मे लिया है और जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये, की कुर्बानी पर गहरा दुख है। मै इन सभी स्वतन्त्रता सेनानियों तथा शहीदो को कोटि कोटि प्रणाम करता हू। इनके

अलावा मुझे हरियाणा पुलिस कर्मियो तथा सोनीपत मे मासूम बच्चो के बस हादसे मे मारे जाने पर गहरा शोक है।

मैं मुम्बई तथा मालेगाव मे बम विस्फोट, मेरठ आग दुर्घटना, जम्मु कश्मीर मे आतकवादी हमलो और यमुना नौका दुर्घटना मे जिन निर्दोष व्यक्तियो ने अपनी जान खो दी है उन सभी के निधन पर भी गहरा शोक प्रकट करता हू।

मुझे चौधरी बीरेन्द्र सिह के चचेरे भाई श्री कर्ण सिह, कैप्टन अजय सिंह यादव के चचेरे भाई श्री अनूप सिह, डॉ शिव शंकर भारद्वाज के माजे श्री सचिन, श्री राजेन्द्र सिंह जून की चाची श्रीमती खजानी देवी के निधन पर भी गहरा शोक है।

इन समी दिवंगत आत्माओ के शोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति मैं अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता हूं। मैं परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्माओ को शान्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। उन शोक संतप्त परिवारो तक इस सदन की संवेदना पहुचा दी जाएगी। अब मैं दिवंगत आत्माओ के सम्मान मे उन्हे श्रद्धाजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिए सदन के सभी सदस्यो से खडा होने के लिए अनुरोध करता हू।

(इस समय हाऊस के सभी माननीय सदस्यगण ने दिवगत आत्माओ के सम्मान में खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया।

अति विशिष्ट व्यक्ति का स्वागत

Mr. Speaker: Hon'ble Members, Ch. Ranbir Singh, father of our Hon'ble Chief Minister जो एक बहुत बड़े स्वतन्त्रता सेनानी रहे है और only surviving member of the Counstituent Assembly है और जिन्होने ज्वायट पंजाब के वक्त मे मत्री के रूप मैं प्रदेश की सेवा की है और लोक सभा के सदस्य भी रहे हैं और इन्होने एक full dedication के साथ cause of hte farmer of downtrodden के लिए कर्तव्याप्रायन्ता से काम किया। Since the House is making obituary references to the freedom fighters and his close friend Ch. Bansi Lal के आबीचुअरी रैफरैस के लिए हमारे साथ सदन मे उपस्थित है, I welcome him on behalf of the House and myself.

बैठक का स्थगन

Hon'ble Members as suggested by the Leader of the House and supported by other members and keeping the sense of the House, the House is to be adjourned for the day as a mark of respect to memory of Ch. Bansi Lal and business entered in the list of business for today will be taken up tommorrow.

Now, the House is adjourned till 9.30 A.M. tomorrow.

***15.53 hrs**

(The Sabha then* adjourned till 9.30 A.M. on Tuesday, the 19th September, 2006)